मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 8 अंक 39
सोमवार, 18 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

संविधान के साथ नाचते हैं कुछ लोगः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 17 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली में 11,000 करोड रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग संविधान के साथ सिर्फ नाचते हैं, जबकि उनकी सरकार ने हमेशा संविधान का सम्मान किया है।पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ लोग संविधान के साथ नाचते हैं। वे अपनी सरकार में संविधान को कुचलते थे।' यह टिप्पणी विपक्ष के उन आरोपों का सीधा जवाब मानी जा रही है, जिसमें विपक्षी दल मोदी सरकार पर संविधान का उल्लंघन करने का आरोप लगाते रहे हैं।प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की नीतियों की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने श्रमिकों का शोषण करने वाले कई पुराने और बेकार कानूनों को खत्म कर दिया है। उन्होंने विशेष रूप से सफाई कर्मचारियों से जुडे एक कानून का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हमारे सफाई कर्मचारियों के पास एक ऐसा कानून था जिसके तहत अगर वे काम पर नहीं आते, तो उन्हें एक महीने के लिए जेल भेजा जा सकता था।' उन्होंने सवाल उठाया, 'वे सफाई कर्मचारियों के बारे में क्या सोचते थे?' पीएम मोदी ने बताया कि उनकी सरकार ने ऐसे शोषणकारी कानूनों को खत्म कर दिया है, जिससे श्रमिकों को सम्मान और सुरक्षा मिली है।

पीएम मोदी ने दिल्ली के विकास को 'विकसित भारत' के मॉडल के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा, 'दिल्ली का विकास इस तरह होना चाहिए कि लोगों को लगे कि यह एक विकसित भारत की राजधानी है।' उन्होंने दिल्ली को एक बेहतर शहर बनाने के अपने संकल्प को दोहराया।इस मौके पर उन्होंने द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड जैसी परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वएफ-क्कसडक बनाने के लिए लाखों टन कचरे का इस्तेमाल किया गया है, जो दिल्ली के कूडे के पहाडों को कम करने में भी मदद कर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में चल रहे यमुना सफाई अभियान और इलेक्ट्रिक बसों की बढती संख्या की भी तारीफ की, जो 'ग्रीन दिल्ली, क्लीन दिल्ली' के सपने को पूरा करने की दिशा में एक बडा कदम है।

निर्वाचन आयोग के कंधों पर लोकतंत्र बचाने का ऐतिहासिक दायित्व : अखिलेश यादव

लखनऊ, 17 अगस्त। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि वर्तमान में लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व निर्वाचन आयोग के कंधों पर है और जब आयोग सही रास्ते पर चल पड़ेगा तो करोड़ों भारतवासियों का साथ उनका रक्षा कवच बन जाएगा।

यादव ने यहां जारी एक बयान में कहा कि आयोग का एक सही और साहसिक कदम देश की अनंत पीढ़ियों का भविष्य और कल्याण सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग को सुधार ही नहीं, आमूलचूल परिवर्तन की अपरिहार्यता है। आज लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व उसके कंधों पर है। माना उनके ऊपर कई प्रकार के अवांछित दबाव काम कर रहे हैं लेकिन वो ये न समझे कि वो अकेले हैं। यादव ने कहा, जब निर्वाचन आयोग सही रास्ते पर चल निकलेगा तो करोड़ों भारतवासियों का साथ उनका रक्षा कवच बन जाएगा। सत्य के मार्ग पर चलनेवालों के साथ जनता और जनविश्वास स्वयं चलने लगता है। निर्वाचन आयोग का एक सही और साहसिक कदम देश की अनंत पीढ़ियों का भविष्य और कल्याण सुनिश्चित कर सकता है। सबको अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, समाजवादी पार्टी ने वोट की डकैती के 18 हजार शपथ पत्र भारत निर्वाचन आयोग को दिए लेकिन कार्रवाई सिफर रही। उन्होंने कहा कि गलत कार्यों और कारनामों की एक लंबी फेहरिस्त बनती जा रही है, जिनका न तो अब तक कोई जवाब आया है और न ही हमारे दिए गए हलफनामों का कोई उत्तर मिला है।

इलाज के लिए सुविधा और पैसे की कोई कमी नहीं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 17 अगस्त। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि गोरखपुर में अब उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं और संसाधनों की कोई कमी नहीं है और जरूरतमंदों को आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत कोष तथा जनप्रतिनिधियों की निधियों के माध्यम से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री रीजेंसी अस्पताल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, गोरखपुर में उच्च स्तरीय इलाज के लिए अब न तो विशेष सुविधाओं की कमी है और न ही पैसे की। यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं उपलब्ध हैं और आम नागरिक को उसका लाभ दिलाने के लिए प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) भी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी मरीज के इलाज में आयुष्मान योजना की निर्धारित राशि अपर्याप्त होती है तो उसकी मदद मुख्यमंत्री राहत कोष और जनप्रतिनिधियों की निधियों से की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और रीजेंसी माई केयर नामक पेशेंट ऐप को भी शुरू किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक साढ़े पांच करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिन लोगों को आयुष्मान या मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं मिल पाता है, उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता दी जाती है। साथ ही विधायकों को भी अपनी निधि से 25 लाख रुपये तक की सहायता इलाज के लिए देने का अधिकार दिया गया है।

मतदाता अधिकार यात्रा बिहार से राहुल गांधी का हुंकार

भाजपा पर साधा निशाना, बोले- चुनाव चुराए जा रहे हैं

सासाराम, 17 अगस्त। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को बिहार के सासाराम से अपनी 'मतदाता अधिकार यात्रा' शुरू की। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर देश में चुनाव चुराने का आरोप लगाया।

सासाराम में जनता को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'मैं इस मंच से आपको बता रहा हूं कि पूरे देश में विधानसभा और और लोकसभा के चुनाव चुराए जा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की ताजा साज़िश बिहार में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के बहाने यहां के चुनाव चुराने की है। राहुल ने दावा किया, 'हम उन्हें यह चुनाव नहीं चुराने देंगे।'

उन्होंने कहा कि अब पूरा देश जान चुका है कि चुनाव आयोग क्या कर रहा है। राहुल के मुताबिक, पहले लोगों को यह नहीं पता था कि वोट कैसे चुराए जा रहे हैं, लेकिन उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस सच्चाई को सबके सामने ला दिया है।

राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें यकीन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सही मायनों में जाति जनगणना नहीं करवाएंगे। हालांकि, उन्होंने भरोसा दिलाया कि 'इंडिया' ब्लॉक देश में सही मायने में जाति जनगणना सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा, 'हम वोट चोरी पर रोक लगाएंगे और रक्फ़ की सच्चाई उजागर करेंगे।' राहुल गांधी ने इस मौके पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव का भी आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, 'लालू जी, डॉक्टर की सलाह के बावजूद यहां आने के लिए आपका तहे दिल से शुक्रिया।'

इसी कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'वह बहुत खतरनाक आदमी हैं। जब तक आप उन्हें सत्ता से नहीं हटाएंगे, आपके वोट, अधिकार, आजादी और यहां तक कि संविधान भी सुरक्षित नहीं रहेगा।' खड़गे का यह बयान 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान भाजपा के खिलाफ एक बड़ा राजनीतिक हमला माना जा रहा है। इस यात्रा का मकसद आने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले महागठबंधन की ताकत दिखाना और जनता को संगठित करना है।

कठुआ में बादल फटने से 7 की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

कश्मीर, 17 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड के बाद, अब कठुआ जिले में भी कुदरत का कहर देखने को मिला है। एक सुदूर गांव में बादल फटने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। यह घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को हुई। इससे पहले, किश्तवाड में भी इसी तरह की घटना में 60 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं।

अधिकारियों के अनुसार, बादल फटने से गांव के कई घर मलबे और बाढ के पानी में दब गए। इस त्रासदी के कारण गांव तक पहुंचने वाले रास्ते भी बंद हो गए हैं, जिससे बचाव कार्य में मुश्किलें आ रही हैं। हालांकि, पुलिस और एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की संयुक्त टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है और बचाव अभियान जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी इस घटना से नुकसान पहुंचा है। कठुआ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले बागड, चांगडा और दिलवान-हुतली गांवों में भी भूस्खलन हुआ है, लेकिन वहां किसी बडे नुकसान की खबर नहीं है। भारी बारिश के कारण इस क्षेत्र के ज्यादातर जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ रहा है। उझ नदी भी खतरे के निशान के करीब बह रही है। जिला प्रशासन ने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए जलाशयों से दूर रहने की अपील की है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी पीडितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कठुआ के कई इलाकों में बारिश के कारण हुए विनाशकारी भूस्खलन में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ है। यह त्रासदी मन को स्तब्ध कर देने वाली है।

' उन्होंने यह भी बताया कि वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ लगातार संपर्क में हैं और बचाव व राहत कार्यों की जानकारी दे रहे हैं। सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें मिलकर राहत कार्यों को अंजाम दे रही हैं।

चुनाव आयोग ने सभी दलों से 15 दिनों में आपत्ति दर्ज कराने को कहा

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची को लेकर उठे विवाद के बीच, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि अगर उन्हें मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत तैयार किए गए मसौदे में कोई भी गड़बड़ी मिलती है, तो वे अगले 15 दिनों के भीतर चुनाव आयोग से संपर्क करें। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'चुनाव आयोग के दरवाजे सभी के लिए समान रूप से खुले हैं। अभी 15 दिन बाकी हैं।

मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में डाल रहे हैं ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के देशों के लिए एक अजीब सी पहेली बनते जा रहे हैं। चीन और रूस जैसे अमेरिका के धुर विरोधियों की बात तो छोड़िए यूरोप और अफ्रीका महाद्वीप के मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी उन्हें समझ नहीं पा रहे हैं। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार हासिल करने के लिए इस कदर बेचैन है कि आतंकवाद की फैक्ट्री के रूप में मशहूर पाकिस्तान जैसे देशों से अपनी पैरवी करवा रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ नापाक पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को भड़का कर दुनिया की शांति को खतरे में भी डाल रहे हैं।

भारत को हर हाल में झुकाने की ऐसी जिद अमेरिकी राष्ट्रपति के सर पर सवार हो गई है कि वो तमाम राजनयिक शिष्टाचार और प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए सीधे पाकिस्तान आर्मी चीफ से बात कर रहे हैं और इसके लिए उन्हें बार-बार अमेरिका भी बुला रहे हैं। दो महीने के दौरान, पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने दो बार अमेरिका जाकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की है। जाहिर है कि दोनों के बीच चल रही बातचीत इतनी गंभीर और खुफिया है कि टेलीफोन पर करने की बजाय ट्रंप आमने-सामने की बात करने के लिए उन्हें सीधे अपने देश ही बुला लेते हैं। जबकि पाकिस्तान में एक निर्वाचित सरकार है, जिसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हैं। ट्रंप अमेरिका को पाकिस्तान को प्राथमिकता देने वाले पुराने दौर में वापस ले जा रहे हैं जिसका अंजाम अमेरिका को 9/11 के भयानक आतंकवादी हमले के रूप में झेलना पड़ा था। वो इस बात को समझ नहीं पा रहे हैं कि पाकिस्तान का साथ देने का मतलब आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों को ही ताकत देना है। मुनीर ने हाल ही में बीजिंग जाकर चीनी नेताओं से भी मुलाकात की थी। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान भी चीन ने पाकिस्तान को भरोसेमंद साझेदार बताते हुए हर तरह से सहयोग देने की बात कही थी। आपको बता दें कि, पाकिस्तान को मिलने वाले 80 प्रतिशत से ज्यादा हथियार चीन से ही आते हैं। मिसाइल से लेकर परमाणु क्षमता तक, पाकिस्तान की हर कामयाबी के पीछे चीन का ही हाथ माना जाता है। जाहिर सी बात है कि ऐसे में ट्रंप पाकिस्तान के आर्मी चीफ को बढ़ावा देकर या यूं भी कह सकते हैं कि भड़का कर पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, आतंकवादी संगठनों और चीन के एक ऐसे गठजोड़ को मजबूती दे रहे हैं जो न केवल भारतीय उपमहाद्वीप बल्कि एशिया सहित पूरी दुनिया की शांति को भंग कर देगा। भारत ने परमाणु हथियारों के लिए 'नो फर्स्ट यूज' की नीति घोषित कर रखी है वहीं अमेरिका की धरती पर जाकर पाकिस्तान के सेना प्रमुख खुलेआम भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे हैं। भारत के खिलाफ बयान देते-देते मुनीर अब भारत के उद्योगपतियों को भी धमकाने लगे हैं। इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए कि व्यापार को अपनी विदेश नीति का अभिन्न अंग बना चुके ट्रंप के इशारे पर ही मुनीर ने मुकेश अंबानी को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। सारी हदों को पार करते हुए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत के सबसे बड़े उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी का जिक्र करते कहा कि उन्होंने पहले भी सूरह फील के साथ अंबानी की तस्वीर ट्वीट करवाई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि पाकिस्तान अगली बार क्या करेगा। आपको बता दें कि 'सूरह फील' इस्लामी इतिहास में उस घटना को दर्शाता है, जिसमें अल्लाह ने दुश्मन के हाथियों की फौज पर पक्षियों से पत्थर बरसवाए थे। मुकेश अंबानी भारत के सबसे बड़े उद्योगपति और एशिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक हैं। अमेरिका में पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय को संबोधित करने के दौरान मुकेश अंबानी का नाम और उनकी तस्वीर दिखाकर असीम मुनीर ने ट्रंप के इशारे पर यह बताने की कोशिश की है, कि पाकिस्तान का निशाना सिर्फ सैन्य ठिकाने या इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक प्रतीक और भारत के दिग्गज कारोबारी भी हो सकते हैं।अमेरिका की धरती से ऐसे भड़काऊ बयान देकर असीम मुनीर ये संदेश भी देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन हासिल है। यह अपने आप में किसी विडंबना से कम नहीं है कि एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप शांति के लिए नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी जताते हुए दुनिया भर में पांच युद्धों को रोकने एवं सुलझाने का दावा कर रहे हैं, रूस-यूक्रेन लड़ाई को रोकने के लिए 15 अगस्त को पुतिन के साथ बैठक करने जा रहे हैं और दूसरी तरफ पाकिस्तान को भड़का कर दुनिया को विश्व युद्ध की तरफ ढकेल रहे हैं।

- संतोष कुमार पाठक

सार्वजनिक मार्केट प्लेस की पारदर्शी दशक यात्रा

नौ अगस्त की तारीख हमारे इतिहास में अगस्त क्रांति के लिए प्रसिद्ध है। भारत से अंग्रेजी राज को उखाड़ फेंकने वाले निर्णायक भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत इसी दिन हुई। यह तारीख इतिहास में एक और वजह से भी महत्वपूर्ण बन गई है। इसी दिन साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक और सरकारी खरीद में पारदर्शिता की शुरूआत के लिए सरकारी मार्केट प्लेस यानी बाजार की शुरूआत जीईएम यानी गवर्नमेंट इलेक्ट्रॉनिक मार्केट प्लेस शुरू किया। जीईएम का मूल मंत्र है, पारदर्शी, समावेशी और कुशल शासन की आधारशिला। इस ऑनलाइन सार्वजनिक और पारदर्शी बाजार ने नौ साल की आधिकारिक यात्रा पूरी कर ली है और एक दशक की यात्रा के लिए आगे बढ़ चुका है।

प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने एक नारा दिया था, न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन। इसके सीईओ मिहिर कुमार कहते हैं कि जीईएम प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को साकार कर रहा है। मिहिर कुमार के अनुसार, सिर्फ नौ साल की ही अवधि में यह पोर्टल देश का सबसे भरोसेमंद डिजिटल खरीद मंच बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में इस पोर्टल पर महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, मध्यम और लघु उद्योग, शिल्पकारों, स्थानीय कारीगरों और दिव्यांगजनों समेत पूरे देश के विक्रेताओं और सेवाप्रदाताओं के सशक्तीकरण में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इस पोर्टल या ऑनलाइन बाजार पर विक्रेताओं के लिए जमानती राशि रखने का प्रावधान है। लेकिन अब इस प्रावधान को खत्म कर दिया गया है। मिहिर कुमार के अनुसार, इसकी वजह से विशेषकर छोटे निमार्ताओं और कारोबारियों को ज्यादा फायदा होना है। सार्वजनिक और सरकारी खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। इसी भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री ने पारदर्शी और समावेशी ऑनलाइन मार्केट की अवधारणा प्रस्तुत की थी। जीईएम उसी अवधारणा का विस्तार है। इसके कामकाज शुरू करने के बाद केंद्र सरकार के सभी दफ्तरों के लिए इसी पोर्टल के जरिए खरीद अनिवार्य कर दिया गया। अब जीईएम प्रबंधन का जोर राज्य सरकारों की खरीद को भी इसी के जरिए जरूरी बनाने पर है। अपने दसवें साल में राज्यों पर फोकस करने की दिशा में जीईएम प्रबंधन ने तैयारी की है। जीईएम को उम्मीद है कि उनके जरिए हो रही सार्वजनिक खरीद में जिस तरह सार्वजनिक क्षेत्र को बचत हो रही है, उसकी वजह से राज्य सरकारें भी इसकी ओर आकर्षित होंगी। वैसे राज्यों की ओर से इसके जरिए खरीद होने भी लगी है। हालांकि उसकी मात्रा अभी कम है। जीईएम के जरिए होने वाली खरीद में अब तक एनटीपीसी को जहां करीब दो हजार करोड़ की बचत हुई है, वहीं बैंक ऑफ बड़ोदा को 34 करोड़। इसी तरह भारतीय नौसेना ने भी पंद्रह करोड़ की बचत की है। जीईएम के अधिकारी तो इसे स्वीकार नहीं करते, लेकिन जाहिर है कि यह बचत जहां खरीद में घपले की कमी से हुई है, वहीं सार्वजनिक मार्केट प्लेस पर उपलब्ध ढेरों और गुणवत्तापूर्ण सामानों में मूल्यों को लेकर हुई प्रतिद्वंद्विता की वजह से हुई है। जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार के अनुसार, इस ऑनलाइन मार्केट प्लेस ने सिर्फ खुद के दम पर साल 2024-25 में 5.4 लाख करोड़ रुपये के सकल व्यापारिक मूल्य सार्वजनिक खरीद को न केवल सुव्यवस्थित किया है, बल्कि शासन में पहुंच, समानता और सशक्तीकरण को फिर से पारिभाषित किया है। जीईएम ने अपने स्थापना के दसवें वर्ष का सूत्र वाक्य, सुगमता, पहुंच और समावेशन विषयों पर केन्द्रित किया है। मिहिर कुमार का कहना है कि उसका यह सूत्र वाक्य सार्वजनिक खरीद को अधिक सुलभ और न्यायसंगत बनाने की दिशा में उनके संगठन की प्रतिबद्धता और पारदर्शी कामकाज को प्रदर्शित करता है। मिहिर कुमार यह भी कहते हैं कि वैसे तो ऑनलाइन खरीद के कई पोर्टल हैं। लेकिन वे सभी कारोबारी पोर्टल हैं, जबकि जीईएम मार्केट प्लेस है। वह खुद कारोबार नहीं करता, बल्कि पारदर्शी कारोबार का मंच उपलब्ध कराता है। जिसमें खरीददार और विक्रेता, दोनों का फायदा है। जीईएम की कामयाबी ही कही जाएगी कि इसके जरिए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा खरीदादारी हो चुकी है। जिनके जरिए 4.81 लाख करोड़ की खरीददारी हुई है। इस मार्केट प्लेस पर मौजूदा वित्त वर्ष में 11हजार से ज्यादा प्रोडक्ट, 344 से ज्यादा सर्विस श्रेणी, 20 लाख से ज्यादा ऑर्डर मिल चुके हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पोर्टल पर सबकुछ ऑटोमेशन में सॉफ्टवेयर संचालित है, कोई मैनुअल हस्तक्षेप नहीं है। हालांकि जीईएम के अधिकारी मानते हैं कि इसमें और सुधार की गुंजाइश है और वह लगातार होती रहेगी। ताकि खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बरकरार रहे। यह ठीक है कि अब विक्रेताओं के लिए जमानती राशि की व्यवस्था खत्म कर दी गई है।

देश ही नहीं विदेशों में भी परेशान है लोग आवारा कुत्तो से

अशोक भाटिया

रात में घर लौटना चोरों, लुटेरों या ड्रग एडिक्ट्स का नहीं, बल्कि आवारा और आवारा कुत्तों के उपद्रव का खतरनाक होता जा रहा है। लेकिन हाल ही में, कुत्तों के इस झुंड ने कई लोगों के जीवन को भी खतरे में डाल दिया है। समस्या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसने सुप्रीम कोर्ट को आवारा कुत्तों की समस्या पर अपनी याचिका दायर करने के लिए मजबूर किया है। इससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। हमारे देश में कुत्ते प्रेमियों की एक महत्वपूर्ण संख्या है। ये कुत्ता प्रेमी अपने घरों में नहीं, बल्कि सड़कों पर इन कुत्तों की देखभाल करना चाहते हैं। हम चौक में आवारा कुत्तों को खाना खिलाना चाहते हैं। एक तरफ कुत्तों द्वारा किए गए उपद्रव की जिम्मेदारी नहीं लेने और दूसरी तरफ कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई करने, उनके खिलाफ कार्रवाई करने, सड़कों पर प्रदर्शन करने, अदालत का दरवाजा खटखटाने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। रात में, अभिजात वर्ग अपने वाहनों में भोजन के साथ सड़कों पर चलने वाले आवारा कुत्तों की तलाश करता है। जबकि दिल्ली में काटने की संख्या बढ़ रही है, इस साल जनवरी और जून के बीच 65,000 से अधिक कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया गया है। रात में कचरा इकट्ठा करने वाले, कचरा परिवहन कर्मचारी, धुआं बीनने वाले, धुआं नियंत्रण कार्यकर्ता और जो लोग नगरपालिका न्यायालयों में नागरिक शिकायतों और नागरिक सुविधाओं को प्रदान करने के लिए काम करते हैं, उन्हें महीने में कई बार कुत्तों के हमलों का सामना करना पड़ता है। सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल कुत्ते के काटने के 37 मामले होते हैं। एक लाख से अधिक घटनाएं होती हैं; रेबीज से 305 लोग मरते हैं। अकेले नसबंदी पर्याप्त नहीं है, अब मानव जीवन की रक्षा करना आवश्यक है। हालांकि 3-7 मिलियन का आंकड़ा प्रलेखित है, संख्या अधिक होने की संभावना है। ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक कचरे के डिब्बे आवारा कुत्तों का घर बन गए हैं। संबंधित व्यक्ति न्यायालय में पंजीकरण कराने और प्रशासन को शुल्क का भुगतान करने में आनाकानी कर रहे हैं। अक्सर बचपन से ही कुछ ऐसे तत्व घर में कुत्ते पालते थे, बाद में उन्हीं कुत्तों को सड़क पर छोड़ दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद कि दिल्ली में आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में रखा जाए, मुंबई में आवारा कुत्तों की सुरक्षा की मांग अब मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली , पनवेल, उरण, नवी मुंबई, बदलापुर, अंबरनाथ, वसई-विरार के मुंबईकरों से शुरू हो गई है। हमलों की समस्या गंभीर हो गई है। जब स्थानीय प्रशासन नसबंदी के लिए कुत्तों को पकड़ने का अभियान शुरू करता है, तो ये कुत्ता प्रेमी आवारा कुत्तों को छतों पर और सोसायटियों के परिसर में छिपा देते हैं। पिछले 15 वर्षों में, 12.73 लाख मुंबईकरों को आवारा कुत्तों ने और 1,35,253 मुंबईकरों ने 2024 में काटा है। आवारा कुत्तों की नसबंदी कर उन्हें भी आश्रय स्थलों में शिफ्ट करने की मांग की जा रही है। 2014 की जनगणना के अनुसार, मुंबई में 95,174 आवारा कुत्ते थे। पिछले 11 सालों में मुंबई में आवारा कुत्तों की संख्या कुछ लाख तक पहुंच गई है। पिछले 22 सालों में मुंबई में 16.60 लाख आवारा कुत्तों की समस्या पैदा हुई है। हर साल बीएमसी इन आवारा कुत्तों की नसबंदी करती है। हालांकि, यह मुद्दा हर मानसून में सामने आता है। आवारा कुत्तों की समस्या के नियंत्रण से बाहर होने से पहले उसके समाधान की मांग की जा रही है। मुंबई में कई विधायकों ने न केवल निर्वाचन क्षेत्र में बल्कि शहर और उपनगरों में भी आवारा कुत्तों पर अंकुश लगाने के लिए बीएमसी के साथ ताहो तोड़ दिया है। इसकी मांग की गई है। इसने यह भी दावा किया है कि इससे कुत्तों के हमलों की घटनाओं में कमी आएगी और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए बढ़ती चिंता को कम करने में मदद मिलेगी। 2009 और 2024 के बीच, आवारा कुत्तों के नियंत्रण पर 24.03 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। आवारा कुत्तों की समस्या मुंबई के पास नवी मुंबई में भी है। लिया। दीघा, ऐरोली और घनसोली के साथ-साथ मिडक इलाकों और गांव में विभाजन से दहशत अधिक है। रात में नवी मुंबई में आवारा कुत्तों के गिरोह घूमते नजर आते हैं। देर रात घर आने वालों के मन में आवारा कुत्तों का डर बढ़ गया है। हालांकि, इस समस्या का समाधान खोजने की कोशिश कर रहे प्रशासन के लिए नागरिकों से सहयोग हासिल करना भी उतना ही जरूरी है।

यूरोप के इस देश नीदरलैंड ने एक व्यापक वेलफेयर-फर्स्ट रणनीति अपनाई। पेट स्टोर से पालतू खरीदने पर भारी टैक्स लगाया गया ताकि लोग शेल्टर से गोद लेने को प्रोत्साहित हों। सरकार ने CNVR प्रोग्राम (Collect, Neuter, Vaccinate, Return) शुरू किया, जिसमें आवारा कुत्तों की मुफ्त नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है। कड़े एंटी-क्रुएल्टी कानून और भारी जुमार्नें लागू किए गए। साथ ही रेस्क्यू और कानून लागू करने के लिए समर्पित एनिमल वेलफेयर यूनिट बनाई गई। देशव्यापी गोद लेने के अभियान और पब्लिक अवेयरनेस से जिम्मेदार पेट ओनरशिप को बढ़ावा दिया गया।

मोरक्को में हर साल करीब 1 लाख लोग कुत्तों के काटने का शिकार होते हैं। 2019 में सरकार ने Trap-Neuter-Vaccinate-Release (TNVR) प्रोग्राम शुरू किया। इसमें आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी और रेबीज का टीका लगाया जाता है, फिर उन्हें आईडी टैग के साथ उसी इलाके में छोड़ दिया जाता है ताकि लोग जान सकें कि वे सुरक्षित हैं। मोरक्को के गृह मंत्री ने आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए 100 मिलियन डॉलर का बजट घोषित किया। इसके तहत 130 कम्यूनल हाइजीन ऑफिस खोले गए, जिनमें 60 डॉक्टर, 260 नर्स, 260 हेल्थ टेक्नीशियन और 130 वेटरिनेरियन नियुक्त किए गए, ताकि 1244 नगरपालिकाओं में शेल्टर मैनेज किए जा सकें।हालांकि, देश को एक्टिविस्ट्स और एनिमल राइट्स ग्रुप्स की आलोचना झेलनी पड़ी, जिन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 2030 FIFA वर्ल्ड कप से पहले गुपचुप तरीके से कुत्तों को मार रही है। कंबोडिया ने बड़े पैमाने पर डॉग वैक्सीनेशन कैंपेन चलाया, जिसमें सिर्फ दो हफ्तों में 2।2 लाख कुत्तों को रेबीज के टीके लगाए गए। ये पहल बीमारी फैलने से पहले रोकथाम पर केंद्रित थी, न कि हमले के बाद कार्रवाई पर।

भूटान ने Nationwide Accelerated Dog Population Management and Rabies Control Programme (NADPM & RCP) के तहत 100% फ्री-रोमिंग डॉग पॉपुलेशन की नसबंदी कर दी। World Organisation for Animal Health के श्रोत से मिली जानकारीा के अनुसार ये उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। मार्च 2022 में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट अक्टूबर 2023 में पूरा हुआ, जिसकी लागत $3.55 मिलियन रही। तीन चरणों में चले इस अभियान में 12,812 लोग शामिल थे, जिनमें वेटरिनेरियन भी थे। 217 क्लीनिक से ऑपरेशन करते हुए कुल 61,680 कुत्तों की नसबंदी की गई, जिनमें से 91% आवारा थे।

तुर्की में कानून के तहत लाखों आवारा कुत्तों को हटाने, शेल्टर में रखने, टीकाकरण, नसबंदी और गोद लेने के लिए देने का प्रावधान है। सिर्फ बीमार या खतरनाक जानवरों को ही मारने की अनुमति है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मार्च 2025 में कुत्तों के हमलों में बढ़ोतरी के बाद सिर्फ दो हफ्तों में 1,000 आवारा कुत्तों को मार दिया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, रेबीज हर साल 150 से ज्यादा देशों में करीब 59,000 लोगों की जान लेता है। इनमें ज्यादातर मौतें अफ्रीका और एशिया में होती हैं।

बहरहाल डॉग शेल्टर्स ना होने की स्थिति में दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन कैसे करेंगे? अगर नगर निगम के कर्मचारी आवारा कुत्तों को पकड़ भी लें, तो उन्हें रखेंगे कहां? अमेरिका और यूरोपीय देशों में जो लोग छुट्टियां मनाने जाते हैं, वो अक्सर कहते हैं कि वहां की सड़कें साफ हैं, और वहां पर आवारा जानवर खासतौर से आवारा कुत्ते नहीं दिखते। दरअसल अमेरिका में आवारा कुत्तों की समस्या राज्य और स्थानीय स्तर पर निपटाई जाती है। यहां पर पालतू जानवर रखने के लिए लाइसेंस लेना पड़ता है और उनमें माइक्रोचिप लगाई जाती है। पालतू जानवर को आवारा छोड़ने वाले व्यक्ति पर जुमार्ना भी लगाया जाता है। अमेरिका के कई राज्यों में आवारा कुत्तों की नसबंदी और शेल्टर को लेकर कानून बनाए गए हैं और इसीलिए गंभीरता बरती जाती है। अमेरिका में नियमित रूप से आवारा कुत्तों का रेबीज वैक्सीनेशन होता है और जांच की जाती है।

जर्मनी में भी आपको सड़कों पर आवारा कुत्ते नजर नहीं आएंगे। यहां पर पालतू कुत्तों का रजिस्ट्रेशन होता है, उनमें माइक्रोचिप लगाई जाती है और इनका इंश्योरेंस भी होता है। यहां StrÔy Dogs के लिए बनाए गए डॉग शेल्टर्स पर काफी पैसा खर्च किया जाता है और आम लोग इन्हीं डॉग शेल्टर्स से कुत्तों को गोद लेते हैं। लेकिन वहीं रोमानिया में आवारा कुत्तों को पकड़कर, उनकी नसबंदी कर दी जाती है। इसके बाद उन्हें 14 दिनों तक डॉग शेल्टर में रखा जाता है और जब उन्हें कोई नहीं ले जाता तो उन्हें मार दिया जाता है। जहां तक भारत की बात है तो आवारा कुत्तों की समस्या के दो समाधान हैं। पहला आवारा कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी करके उन्हें डॉग शेल्टर्स में रखा जाए। और दूसरा- डॉग लवर्स को देसी नस्ल के आवारा कुत्ते पालने के लिए प्रेरित किया जाए।

दमन,उत्पीड़न व अत्याचार के विरुद्ध एकजुटता का सन्देश देता 'अरबईन मार्च'

-तनवीर जाफरी

-तनवीर जाफरी

'अरबईन' अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है चालीस (40)। चूँकि इस्लाम धर्म में में किसी व्यक्ति की मृत्यु के 40 दिन बाद उसकी याद में शोक आयोजन यानी 'चालीसवां ' मनाये जाने की परंपरा है इसलिये हजरत अली के पुत्र व पैगंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हजरत इमाम हुसैन व उनके परिजनों की शहादत के चालीसवें के दौरान इराक में 'अरबईन मार्च' आयोजित किया जाता है। 'अरबईन मार्च' इराक में ही शुरू हुआ था क्योंकि करबला इराक में स्थित है और हजरत इमाम हुसैन की शहादत करबला में ही हुई थी। इस मार्च में भाग लेने के लिये धर्म व जाति की सीमाओं से ऊपर उठकर दुनिया के सौ से अधिक देशों के करोड़ों लोग हजरत इमाम हुसैन के रौजे पर हाजिरी लगाने इराक के करबला शहर पहुँचते हैं। वैसे तो अरबईन मार्च का इतिहास सदियों पुराना है। इसकी शुरूआत 680 ईस्वी (61 हिजरी) में पैगंबर हजरत मुहम्मद के एक साथी जाबिर इब्न अब्दुल्लाह अल-अंसारी ने की थी। जाबिर ने आशूरा (दस मुहर्रम) के 40 दिन बाद करबला जाकर इमाम हुसैन की कब्र पर पहली ज़ियारत पढ़ी और करबला में 'अरबईन' यानी हजरत इमाम हुसैन का 'चालीसवां ' मनाने की परंपरा की शुरूआत की। धीरे धीरे यहाँ पहुँचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गयी। परन्तु सद्दाम हुसैन ने अपने शासनकाल में 'अरबईन मार्च' को प्रतिबंधित कर दिया था। 1979-2003 के मध्य सद्दाम के शासनकाल में यह मार्च पूरी तरह प्रतिबंधित रहा परन्तु जैसे ही 2003 में सद्दाम की सत्ता का पतन हुआ उसी समय यानी 2003 के अरबईन मार्च में ही पूरी दुनिया से लाखों श्रद्धालु करबला की ओर निकल पड़े। आज स्थिति यह है कि पड़ोसी देशों के श्रद्धालु हजारों किलोमीटर तक का सफर पैदल तय कर करबला पहुँचते हैं। जबकि मुख्य मार्च हजरत अली के रोजे नजफ से शुरू होकर 80 किलोमीटर दूर स्थित करबला में इमाम हुसैन के रौजे के मध्य होता है। आज इसे दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक मानव समागम माना जाता है, जिसमें करोड़ों लोग पैदल चलकर भाग लेते हैं।

इस बार 'अरबईन मार्च' का समापन गत 15 अगस्त को हुआ जिसमें रिकार्ड लगभग सवा दो करोड़ लोगों ने शिरकत की। यह मार्च पश्चिमी मीडिया की बेरुखी के बावजूद अपनी अनेक विशेषताओं के लिये पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित करता है। जिस हुसैन व उनके परिवार के लोगों को करबला में तीन दिनों तक भूखा प्यासा रहने को मजबूर किया गया और इसी भूख प्यास की शिद्दत के आलम में क्रूर सीरियाई शासक यजीद की सेना द्वारा उन्हें कत्ल किया गया उसी हुसैन के रौजे पर आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को 'अरबईन मार्च' के पूरे मार्ग पर दुनिया का सबसे मंहगा,शुद्ध व स्वादिष्ट व्यंजन परोसा जाता है। करोड़ों लोगों के हर मर्ज की दवा इलाज,उनके लिये हर तरह के आराम की सारी सुविधायें सब कुछ मुफ़्त उपलब्ध कराई जाती हैं। और सबसे बड़ी बात यह कि इस मार्च पर अलकायदा व आई एस व दाईश जैसे आतंकी संगठनों की कुदृष्टि होने के बावजूद अभी तक इस मार्च में कभी कोई अनहोनी या दुर्घटना का समाचार नहीं मिला। खबर है कि इस बार भी इराकी सुरक्षा बलों ने अरबईन तीर्थयात्रियों को निशाना बनाने की साजिश रचने वाले एक आतंकी सेल का पदार्फाश किया है। करबला के गवर्नर नासिफ जसीम अल-खत्ताबी के मुताबिक एक खुफिया ऑपरेशन के दौरान 7 अगस्त, 2025 को 22 आतंकवादियों को गिरफ़्तार किया गया। ये आतंकवादी दाइश (ISIS) से जुड़े थे और अरबईन मार्च के दौरान श्रद्धालुओं पर हमला करने की साजिश रच रहे थे। उनकी योजना हजरत इमाम हुसैन की याद में होने वाली मजलिसों,पैदल मार्च व सुरक्षा अधिकारियों को निशाना बनाने की तो थी ही साथ ही वे किसी बहाने श्रद्धालुओं को जहर देने की साजिश भी रच रहे थे।

इस पूरी यात्रा के दौरान पूरे वर्ष नजफ,करबला अथवा किसी भी तीर्थस्थल पर कहीं भी फूल मालाएं अर्पित नहीं की जातीं। कहीं धूप अगरबत्ती या मोमबत्ती दिया बाती कुछ भी नहीं जलाई जाती। कहीं भी कलावा,मौली,चंदा पर्ची रसीद आदि का कोई फंडा नहीं है। कहीं गुल्लक या दान पेटी रखी नजर नहीं आएगी। बस हर व्यक्ति शहीद ए करबला की याद में आँखों में श्रद्धा के आंसू लिये सीने पर हाथ रखे, या हुसैन और लब्बैक या हुसैन कहता हुआ करबला की ओर बढ़ता दिखाई देता है। दरअसल अरबईन मार्च को पूरे विश्व में उदारता और आतिथ्य के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह यात्रा केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक महत्व भी रखती है, जो अन्याय के खिलाफ दुनिया को एकजुट होकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। यही वजह है कि हजरत इमाम हुसैन को सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में माना जाता है। अब इस मार्च में केवल शिया या मुस्लिम लोग ही शरीक नहीं होते बल्कि प्रत्येक वर्ष इसमें बड़ी संख्या में अंतरधार्मिक भागीदारी बढ़ती ही जा रही है। इसीलिये इस यात्रा में सुन्नी, ईसाई, यहूदी, हिंदू,सिख, यजीदी,कुर्द और जोरोस्ट्रियन आदि सभी समुदायों के लोग पूरी श्रद्धा से शामिल होते हैं।

यह हजरत इमाम हुसैन की शहादत से मिलने वाली प्रेरणा ही थी जिसने पिछले दिनों ईरान को अमेरिका व इस्राईल जैसे सशक्त परन्तु अत्याचारी शासन के विरुद्ध साहस से मुकाबला करने का हौसला दिया। 2014 में भी इराक के प्रमुख शिया धर्मगुरु आयतुल्लाह अली सिस्तानी ने आतंकवादी संगठन आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट) की बढ़ती हिंसा और आतंक के जवाब में उसके विरुद्ध जिहाद का फतवा जारी किया था। आईएस ने न केवल शिया समुदाय बल्कि सुन्नी, ईसाई, यजीदी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को भी निशाना बनाया था। बर्बर आईएस के लड़ाके सामूहिक हत्याएं, बलात्कार, और सांस्कृतिक स्थलों का विनाश करते हुये व्यापक आतंक मचा रहे थे और कई महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों को भरी क्षति पहुंचे थी। इस फतवे के परिणामस्वरूप, हजारों स्वयंसेवकों ने हश्द अल-शाबी (पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज , PMF) नामक अर्धसैनिक बल का गठन किया और इराकी सेना के साथ मिलकर आईएसआईएस के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ते हुये इराक व सीरिया को आईएसआईएस से मुक्त कराया। यह भी उसी हुसैन और करबला से मिलने वाली शिक्षा व प्रेरणा की ही देन थी। दरअसल हजरत इमाम हुसैन की शहादत, दमन उत्पीड़न व अत्याचार के खिलाफ कड़े प्रतिरोध का वैश्विक प्रतीक है। चाहे वह उस दौर का क्रूर शासक यजीद हो या आज के दौर को कोई 'यजीद'। रहती दुनिया तक करबला की दास्तान और शहादत ए हुसैन जुल्म के खिलाफ मानवता को एकजुट होने तथा त्याग व बलिदान का सन्देश देती रहेगी।

लड़की की मौत और हमारी घातक धारणाएँ

-प्रियंका सौरभ

लड़की अगर घर से लापता हुई है तो वह भागी ही होगी – यह सोच केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। यही सोच एक लड़की की जान ले गई। जिस पुलिस को तुरंत उसकी तलाश करनी चाहिए थी, उसने मान लिया कि वह कहीं प्रेम प्रसंग के चलते भाग गई होगी। परिणाम यह हुआ कि अपराधियों को मौका मिल गया और एक मासूम ज़िंदगी समाप्त कर दी गई।

आज सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि बेटियों के लापता होने की शिकायत पर पुलिस की पहली प्रतिक्रिया ₹भाग गई होगी₹ और समाज की पहली प्रतिक्रिया किसके साथ भागी होगी होती है। दोनों ही स्थितियाँ अपराधियों के लिए ढाल बन जाती हैं। पुलिस थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाने वाले परिवारों को अक्सर यही सुनने को मिलता है कि थोड़ा इंतजार कीजिए, लड़की खुद लौट आएगी। यानी शुरूआत से ही मामले को हल्का समझा जाता है। जब तक पुलिस सक्रिय होती है, तब तक कई बार अपराधी अपने मंसूबे पूरे कर चुके होते हैं। यह रवैया केवल लापरवाही नहीं, बल्कि जीवन के साथ खिलवाड़ है।

यह मान लेना कि हर लापता लड़की प्रेम-प्रसंग में भागी है, पुलिस की सोच का सबसे खतरनाक पहलू है। इससे अपराधियों को समय मिल जाता है और पीड़ित परिवार अपने ही समाज की तानों और शक की निगाहों का शिकार बनता है। हमारे गाँव, कस्बों और शहरों में जब भी कोई लड़की लापता होती है, तो अफवाहों का बाजार गर्म हो जाता है। लोग यह सोचने की बजाय कि वह कहीं अपराध की शिकार न हो गई हो, यह अनुमान लगाने लगते हैं कि वह किसके साथ भागी होगी। इस सोच से दोहरी चोट लगती है। एक ओर लड़की की इज्जत को बेवजह बदनाम किया जाता है और दूसरी ओर परिवार सामाजिक कलंक से टूटने लगता है।

समाज को यह समझना होगा कि हर लड़की की सुरक्षा पूरे समुदाय की ज़िम्मेदारी है। किसी की अनुपस्थिति पर अफवाह फैलाना या दोषारोपण करना न केवल अमानवीय है, बल्कि अपराध को बढ़ावा देने वाला भी है। एक लड़की की मौत केवल एक परिवार का दुख नहीं है,

हर लापता लड़की के साथ हमारी संवेदनशीलता और सिस्टम की परीक्षा होती है। अफवाहें, ताने और लापरवाह पुलिस जाँच अपराधियों के लिए सबसे बड़ी मददगार बन जाती हैं। जब तक पुलिस हर गुमशुदगी को गंभीर अपराध मानकर तुरंत कार्रवाई नहीं करेगी और समाज हर बेटी को सहानुभूति की नजर से नहीं देखेगा, तब तक ऐसी त्रासदियाँ दोहराई जाती रहेंगी। सरकार को दिखावटी सुरक्षा छोड़कर थानों की मजबूती पर ध्यान देना होगा। लड़की की मौत एक चेतावनी है—अब धारणाएँ बदलनी ही होंगी।

बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता का आईना है। पुलिस ने समय रहते खोजबीन की होती तो शायद वह आज ज़िंदा होती। समाज ने अफवाहों की बजाय संवेदनशीलता दिखाई होती तो परिवार को न्याय की लड़ाई में अकेला न रहना पड़ता। अब वह लड़की वापस नहीं आ सकती। लेकिन यह जरूरी है कि उसके हत्यारों को सख़्त सजा मिले और आने वाले समय में ऐसी त्रासदियाँ दोहराई न जाएँ। आज पुलिस बल की सबसे बड़ी समस्या संसाधनों की कमी और प्राथमिकताओं की गड़बड़ी है। नेताओं की सुरक्षा में सैकड़ों जवान तैनात रहते हैं, जबकि थानों और चौकियों में फोर्स की कमी है। नतीजा यह होता है कि आम जनता की शिकायतों पर या तो देर से कार्रवाई होती है या बिल्कुल ही उपेक्षा कर दी जाती है। जरूरत है कि सरकार नेताओं को दिखावटी सुरक्षा देना बंद करे और हर थाने को पर्याप्त पुलिस बल मुहैया कराए। बेटियों से जुड़े मामलों में फास्ट रिस्पॉन्स सिस्टम लागू हो और जिलों के एसपी से मुख्यमंत्री रोजाना सुरक्षा व्यवस्था का फीडबैक लें। जब तक सरकार प्राथमिकताओं में बदलाव नहीं लाएगी, तब तक बेटियाँ असुरक्षित रहेंगी और अपराधियों के हौसले बुलंद रहेंगे।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट इस संकट की गम्भीरता को और भी स्पष्ट करती है। वर्ष 2023 के आँकड़ों के अनुसार भारत में प्रतिदिन लगभग 90 महिलाएँ और लड़कियाँ लापता होती हैं। इनमें से कई कभी वापस नहीं लौट पातीं। वहीं हर साल हजारों मामले ऐसे दर्ज होते हैं जिनमें लापता लड़की हत्या, तस्करी या यौन शोषण का शिकार पाई जाती है। इसके बावजूद पुलिस थानों में पहला रवैया यही रहता है कि ₹भाग गई होगी।₹ यदि गुमशुदगी को शुरूआती चरण में ही गंभीर अपराध मानकर खोजबीन की जाए, तो इनमें से कई जानें बचाई जा सकती हैं। लेकिन हमारी सोच और व्यवस्था दोनों इस दिशा में बेहद ढीली और उदासीन हैं। धारणा बदलना आसान काम नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। जिस दिन पुलिस हर लापता लड़की को संभावित पीड़िता मानेगी, उसी दिन अपराधों पर लगाम लगेगी। जिस दिन समाज लड़की के गायब होने पर तानों और गॉसिप की बजाय सहानुभूति दिखाएगा, उसी दिन परिवारों का बोझ हल्का होगा। जिस दिन सरकार सुरक्षा को पॉलिटिकल शो-ऑफ की बजाय पब्लिक राइट मानेगी, उसी दिन व्यवस्था सुधरेगी। आज हम नारे लगाते हैं– बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ। लेकिन जब कोई बेटी लापता होती है, तो हमारी सोच नारे से उलट साबित होती है। ₹बेटी बचाओ₹ का असली अर्थ तभी पूरा होगा जब हर शिकायत पर पुलिस त्वरित और गंभीर कार्रवाई करेगी। लड़की जैसी घटनाएँ हमें झकझोरती हैं कि सिर्फ.भाषण और नारे काफी नहीं हैं। हमें अपनी सोच और व्यवस्था दोनों बदलनी होंगी। लड़की की मौत केवल एक त्रासदी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। यह चेतावनी है कि हमारी पुलिस की जाँच शैली बदलनी होगी, समाज को अपने पूर्वाग्रह छोड़ने होंगे और सरकार को अपनी प्राथमिकताएँ सुधारनी होंगी। वह लड़की लौट नहीं सकती, लेकिन अगर उसके हत्यारों को सजा मिले और उसकी मौत से सबक लेकर सिस्टम बदले, तो उसकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर यह तय करें कि हर बेटी सुरक्षित है और उसकी गुमशुदगी को हल्के में लेने की कोई गुंजाइश नहीं है।

उत्तर भारत सेवा समिति ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। उत्तर भारत सेवा समिति के तत्वावधान में पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत अमेया पार्क में स्थित समिति के कार्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास व देशभक्ति की उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से हुई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। मंच से वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया। इस मौके पर के समिति की ओर से सभी उपस्थित लोगों को मिष्ठान वितरित कर मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी तथा विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला उपस्थित रहे। समिति से जुड़े प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य–प्रदीप सिंह, दिनेश पाठक, अखिलेश पाण्डेय, बी.बी. सिंह, सतेंद्र सिंह, रामनरेश यादव, शिवशंकर यादव, राजेश यादव, सुभम तिवारी, शैलबाला यादव, वरिष्ठ पत्रकार अजीत सिंह व मृत्युंजय पाण्डेय समेत अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लेकर स्वतंत्रता दिवस को यादगार बना दिया।

भाजपा परिवार में गरिमामयी प्रवेश

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हो रहे विकास कार्यों से प्रेरित होकर एवं महाराष्ट्र को प्रगतिशील राज्य बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विजन में आस्था रखते हुए, आज नालासोपारा पश्चिम विधायक कार्यालय में भाजपा परिवार में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। विधायक राजन नाइक, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल ताई, एवं जिला महामंत्री मनोज बारोट की उपस्थिति में धर्मेंद्र गिरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षकों और व्यवसायियों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा परिवार में शामिल होने वाले सभी सम्माननीय नागरिकों का भारतीय जनता पार्टी नालासोपारा की ओर से हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया गया।

युवा शक्ति मित्र मंडल द्वारा आयोजित दहीहंडी में उमड़ा जनसैलाब

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के भंडारी चौक स्थित युवा शक्ति मित्र मंडल द्वारा आयोजित दहीहंडी में कलाकारों की शानदार प्रस्तुति से भारी बरसात में लोग भीगते हुये आखिरी क्षण तक झूमते रहे । बतादें कि युवा शक्ति मित्र मंडल द्वारा दहीहंडी में 88 गोविन्दा पथकों ने हिस्सा लेकर मानवीय श्रृंखला बनाकर पुरस्कार हासिल किये । वहीं 9 मंडलों ने 7 मानव श्रृंखला बनाकर बराबरी किये जिसके लिये लाटरी पद्धति से मराठा व्यायाम मंदिर मंडल को दहीहंडी फोडने व प्रथम पुरस्कार हासिल किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत, संतोष शेट्टी, मनोज काटेकर, नित्यानन्द नाडार, मनोज गुलवी आदि लोगों के हाथों मानव श्रृंखला बनाने वाले गोविन्दा पथकों को सम्मानचिन्ह , पुष्पगुच्छ व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। आये हुये अतिथियों का शाल सम्मानचिन्ह, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया । उक्त अवसर युवा शक्ति मित्र मंडल के संस्थापक/अध्यक्ष यशवंत टावरे , भाजपा महिला जिलाध्यक्ष सुनीता टावरे व मंडल के पदाधिकारियों का सफल प्रयास रहा है ।

शहरी पुरुषों में बढ़ता प्रोस्टेट कैंसर, रोबोटिक सर्जरी से इलाज हुआ आसान

मुंबई/पटना। प्रोस्टेट कैंसर आज दुनिया भर में पुरुषों में दूसरा सबसे आम कैंसर और कैंसर से होने वाली मौतों का पाँचवां सबसे बड़ा कारण बन चुका है। भारत में, खासकर महानगरों में, इसकी दर तेजी से बढ़ रही है और यह राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक मामलों में दर्ज हो रहा है।

जागरूकता बढ़ने और नियमित पीएसए (प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन) जांच के चलते शुरूआती चरण में निदान के मामले बढ़े हैं। विशेषज्ञ इसे ब्लू रिवॉल्यूशन कह रहे हैं। शुरूआती पहचान के कारण इलाज के नतीजे बेहतर हुए हैं, खासकर रोबोटिक सर्जरी के बढ़ते उपयोग के साथ।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल साकेत के यूरो-ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रिंसिपल कंसल्टेंट डॉ. तुषार आदित्य नारायण ने बताया कि रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी, शुरूआती या स्थानीयकृत प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में अब सबसे प्रभावी विकल्पों में से एक मानी जाती है। दा विंची रोबोटिक सिस्टम की मदद से सर्जन छोटे-छोटे चीरे लगाकर अत्यंत सटीक ऑपरेशन करते हैं।

तलासरी में विश्व आदिवासी दिवस पर नागरिक सुरक्षा दल ने किया आपदा प्रबंधन प्रदर्शन

पालघर(उत्तरशक्ति)। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में देश की चौथी सुरक्षा इकाई के रूप में पहचान रखने वाले नागरिक सुरक्षा दल, जिला पालघर की ओर से तलासरी में आपदा प्रबंधन का रोचक व शिक्षाप्रद प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रात्यक्षिक जिला प्रमुख के. आर. कुरकुटे (उपनियंत्रक, नागरिक सुरक्षा दल, पालघर) के आदेशानुसार तथा रोहित जाधव (विभागीय क्षेत्ररक्षक, तहसील तलासरी) के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उनकी कार्यकुशलता के कारण पूरा कार्यक्रम अनुशासित और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शन के दौरान युद्धकालीन या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में नागरिक सुरक्षा दल के स्वयंसेवक, प्राथमिक उपचार दल एवं विमोचन पथक कैसे कार्य करते हैं, इसका नाटकीय अंदाज में सजीव प्रदर्शन किया गया। इसमें आग बुझाने की तकनीक, घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार, रक्तस्राव रोकने की विधि, हड्डी टूटने पर पट्टी बांधना, विभिन्न मानव-उठाव पद्धतियों के माध्यम से घायलों को सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुँचाना जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर अनिल हडल व संगीता हडल का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन नरेश

म्हस्के (विभागीय क्षेत्ररक्षक, बोईसर विधानसभा) ने किया और नागरिकों से नागरिक सुरक्षा दल में सक्रिय रूप से जुड़ने की अपील की। वहीं, मास्टर ट्रेनर सुषमा जाधव, प्रिया पाटील, वैशाली राऊत तथा माजी मानसेवी अधिकारी देविदास भोये विशेष रूप से इस प्रदर्शन के दौरान उपस्थिति रहे। इस प्रात्यक्षिक में डॉ. महाविद्यालय, गोदावरी परुलेकर के लगभग 48 विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भगवान राजपूत, प्राध्यापक सचिन राऊत एवं दिपाली गहला ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहन एवं विशेष सहयोग प्रदान किया। तलासरी तहसील व आसपास के क्षेत्र में इस उपक्रम की व्यापक सराहना की जा रही है। नागरिकों का कहना है कि नागरिक सुरक्षा दल की महत्त्वपूर्ण भूमिका को जन-जन तक पहुँचाने के लिए ऐसे उपक्रम लगातार आयोजित किए जाने चाहिए।

आयोजक मयूर पाटिल ने गोविंदा टोलियों को दी नकद राशि

कल्याण (उत्तरशक्ति)। टिटवाला के बाल्यानी में आयोजित दही हांडी उत्सव में शिवसेना और साईं प्रतिष्ठान द्वारा सालाबाद की तरह ही उत्साह और उल्लास देखा गया। इस उत्सव में सैकड़ों गोविंदा टोलियों ने पाँच, छह, सात परतों में हांडी को सलामी दी और आयोजक मयूर पाटिल ने गोविंदा टोलियों को नकद राशि और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। दही हांडी उत्सव भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के दौरान मनाया जाता है, जो उनकी माखन चोरी की लीलाओं को याद करता है।

बतादे की टिटवाला के बल्यानी में पूर्व नगर सेवक मयूर पाटिल ने गोविंदा टोलियों को नकद राशि और पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उत्सव को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिवसेना के कई नेता इस उत्सव में मौजूद थे और उन्होंने उत्सव को सफल बनाने में योगदान दिया।

दही हांडी उत्सव एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन है, जो भगवान कृष्ण की याद में मनाया जाता है और सामाजिक एकता और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है।

चिंचपाड़ा में भगवान कृष्ण जन्माष्टमी बड़े धूमधाम से सम्पन्न

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के चिंचपाड़ा में भगवान कृष्ण जन्माष्टमी बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर, जनार्दन महात्रे द्वारा निर्मित भगवान कृष्ण मंदिर में एक विशेष पूजा की गई। बतादे की चिंचपाड़ा में यह परंपरा पिछले 39 वर्षों से चली आ रही है और इस वर्ष भी बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। जन्माष्टमी के दिन, पूरे दिन उपवास रखा जाता है। जनार्दन म्हात्रे द्वारा भगवान कृष्ण मंदिर की मूर्ति को सजाया जाता है और विशेष रूप से पूजा की जाती है। मंदिर में महिलाओं द्वारा भजन और कीर्तन किए जाते हैं और भगवान कृष्ण की महिमा का गुणगान किया जाता है। दूसरे दिन, इस मंदिर परिसर में बच्चों के लिए दही हांडी का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आने वाले सभी भक्तों को म्हात्रे परिवार द्वारा 24 घंटे भोजन प्रसाद प्रदान किया जाता है।

वसई पंचवटी दहीहंडी उत्सव 2025 में उमड़ा जनसैलाब, विधायक स्नेहा दुबे हुईं अभिभूत

नरेंद्र सोनी

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार शहर जिला की ओर से आयोजित दहीहांडी उत्सव 2025 का आयोजन पंचवटी में बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। गोविंदा की भावना से सराबोर यह पर्व ढोल-ताशों, नारों और तालियों की गूंज के बीच, श्रद्धा और जोश के वातावरण में मनाया गया।

इस भव्य समारोह में वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विशेष उपस्थिति दर्ज कराते हुए गोविंदा टीमों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों को शुभकामनाएँ दीं और कहा, ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक जड़ों

को मजबूत करते हैं और युवाओं में सामूहिकता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। इस अवसर पर उनके साथ नवीन दुबे, जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, वरिष्ठ नेता शेखर धुरी, नवनीत दुबे, मानव दुबे, महेश सरवणकर, सिद्धेश तावड़े, श्रीमती गीतांजलि पाटिल, श्रीमती अपर्णा पाटिल, दीपक शर्मा, अंशुमन ठाकुर, जीतू वेंगुरलेकर, नितिन फाटक, अक्षय कदम, प्रवेश दुबे, सुरेश प्रजापति, मार्कण्ड पांडे, राजेश नायर, बाला सावंत, अर्जुन इंगोले तथा श्रीमती शिला अय्यर समेत अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और गोविंदा प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह की भव्यता और जनभागीदारी ने इस आयोजन को वसई क्षेत्र के प्रमुख सांस्कृतिक आयोजनों में से एक बना दिया।

भिवंडी मनपा द्वारा संतश्रेष्ठ ज्ञानेश्वर महाराज की 750वी जयंती पर पालकी समारोह का किया आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राज्य सरकार द्वारा स्थानिक स्वराज्य निकायों को संतश्रेष्ठ ज्ञानेश्वर महाराज की 750वीं जयंती शासकीय स्तर पर मनाने के निर्देश दिए जाने के बाद भिवंडी महानगरपालिका ने 15 अगस्त की शाम को मनपा मुख्यालय से संत शांताराम भाऊ मंदिर तक पालकी यात्रा का आयोजन किया। बतादें कि पालकी यात्रा की शुरूआत प्रभाग समिति 5 के सहायक आयुक्त बालाराम जाधव द्वारा पालकी में रखी गई ज्ञानेश्वरी और हरिपाठ पुस्तकों की पूजा के साथ हुई। पालकी समारोह में शहर के नामदेव

मंदिर और विठ्ठल मंदिर संस्था के पदाधिकारी मुरलीधर मंदिर के सुतार आली, गौरी पाड़ा स्थित ज्ञानेश्वर मंदिर के वारकरी मंडल, तिलक चौक मित्र मंडल, मनपा अधिकारियों , स्वामी समर्थ भक्त मंडल, शिक्षण मंडल के उपेंद्र संबारी, क्रीडा व सांस्कृतिक विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, क्रीडा अधिकारी शरद कलावंत, शहर विकास प्रमुख अरविंद घुगरे, परवाना विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी, अग्रवाल समाज के संजय अग्रवाल, कर्मचारी कामगार संघटना प्रतिनिधि भानुदास भसाले सहित स्थानीय नागरिक और मनपा कर्मचारी भारी संख्या में शामिल थे। पालकी यात्रा मनपा मुख्यालय से कोटरगेट मस्जिद, तीनबत्ती दिडी के संत शांताराम भाऊ जयवंत एकनाथ महाराज मंदिर पर प्रज्ञा जोशी द्वारा पसायदान स्तुति कर संपन्न की गयी ।

आधार फाउंडेशन का सर्व साधारण सभा में सुरेश सिंह का सम्मान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। आधार फाउंडेशन संस्था की सर्व साधारण सभा 17 मीरा रोड पूर्व में संपन्न हुई। अध्यक्ष मनोज चतुवेर्दी की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में सैकड़ों सदस्यों ने भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

सभा में विशेष सलाहकार ब्रह्मदेव सिंह, सुरेश सिंह, महेंद्र मिश्रा, कोषाध्यक्ष नागेंद्र मिश्रा और उपाध्यक्ष अशोक यादव उपस्थित थे। महामंत्री एडवोकेट राजेश शर्मा के कुशल संचालन में सभा सुचारू रूप से चली। संस्था के विशेष सलाहकार सुरेश सिंह को संस्था के लिए विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संजीत सिंह (सीए) और आलोक मिश्रा ने विशेष ट्रस्टी के रूप में अपनी भूमिका निभाई, जबकि उमेश पाटिल

(एसीपी) ने विशेष ट्रस्टी बनने की घोषणा की।

वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे और राजेश उपाध्याय की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। विद्याशंकर चतुवेर्दी, श्रीकांत पांडे, विशेष ट्रस्टी शैलेश मिश्रा, ट्रस्टी उमेश सिंह, राजबहादुर यादव, राजकुमार यादव, अजय दुबे, आचार्य अवनीश पांडे ,कमलेश दुबे, गायक संजय तिवारी, मनोज सिंह, प्रदीप शुक्ला , सुशील दामवानी , अजय सरकार मुकेश सिंह, संदीप पांडे, श्रीकांत पांडे, अजित उपाध्याय सहित कई सदस्यों ने अपने विचार साझा किए। सभा के अंत में संस्था के दिवंगत शुभचिंतक देवीप्रसाद उपाध्याय और संस्था सदस्य विजेंद्र मिश्रा की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।

जम्मू-कश्मीर बनेगा वेलनेस वैली, 500 करोड़ का निवेश

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर जब पूरा देश आजादी का पर्व मना रहा था, उसी समय जम्मू-कश्मीर में विकास और समृद्धि की नई सुबह का शुभारंभ हुआ देश के सबसे बड़े सामाजिक संगठन नमो नमो मोर्चा भारत और लंदन की अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त हेल्थकेयर व वेलनेस कंपनी द हार्ले लंदन क्लबह्व ने मिलकर एक महत्वाकांक्षी पहल वेलनेस वैली प्रोजेक्ट की घोषणा की। यह परियोजना आने वाले वर्षों में जम्मू-कश्मीर को विश्व की वेलनेस वैली बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगी।

इस अवसर पर आयोजित भव्य प्रेस वार्ता में द हार्ले लंदन क्लब के मुख्य विजनरी ऑफिसर संजीव कुमार एवं डायरेक्टर अमित कपूर, साथ ही नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सोपान उंडे पाटील और राष्ट्रीय मंत्री उदयकुमार ने मंच साझा किया। वेलनेस वैली परियोजना के प्रमुख बिंदुओं में 1.अत्याधुनिक वेलनेस एवं पुनर्वास केंद्र, 2. युवाओं व महिलाओं हेतु स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, 3. पर्यटन प्रबंधन में विशेष एमबीए कोर्स, 4. मेडिकल उपकरण निर्माण इकाइयाँ, 5. महिला व युवा सशक्तिकरण के लिए सीएसआर कार्यक्रम, 6. स्वास्थ्य पर्यटन के जरिये होटल, ट्रैवल एजेंसियों, हस्तशिल्प व स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा। इन योजनाओं से जम्मू-कश्मीर में हजारों रोजगार और उद्यमिता के अवसर पैदा होंगे, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान

करेंगे। डायरेक्टर अमित कपूर ने बताया कि पिछले पाँच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मात्र 11 करोड़ रहा। लेकिन इस परियोजना के पहले चरण में ही लगभग 500 करोड़ का निवेश किया जाएगा, जिससे सीधे कश्मीर की जनता को लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही द हार्ले वेलनेस डॉलर नामक मोबाइल ऐप आधारित रिवार्ड प्रोग्राम लॉंच होगा, जिससे नागरिकों को अतिरिक्त मासिक आय होगी। हर वर्ष कश्मीर में आयोजित होने वाला द हार्ले क्लब ग्लोफेस्ट विश्व-प्रसिद्ध कलाकारों, सेलिब्रिटीज और वेलनेस विशेषज्ञों की मौजूदगी में कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक, पर्यटन और वेलनेस केंद्र के रूप में पहचान दिलाएगा। नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सोपान उंडे पाटील ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह के नेतृत्व में, नमो नमो मोर्चा भारत आज 22 राज्यों में 3.5 लाख से अधिक सदस्यों के साथ निरंतर समाजसेवा कर रहा है।

हमारा ध्येय सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। वेलनेस वैली प्रोजेक्ट केवल जम्मू-कश्मीर के लिए नहीं, बल्कि स्वस्थ भारत समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस परियोजना की सफलता में जम्मू-कश्मीर इकाई के नेतृत्व का विशेष योगदान रहा। प्रदेश अध्यक्ष यासिर भट, प्रदेश युवा अध्यक्ष अल्ताफ मीर, प्रदेश प्रवक्ता लियाकत अली और मीडिया इंचार्ज बिलाल अहमद ने इस दौरे एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चेंबूर में आरपीआई के दही हांडी उत्सव में मराठमोला सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले 19 वर्षों से रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) संलग्न कलाकुंज मित्र मंडल द्वारा दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष संजय डोलसे के नेतृत्व में चेंबूर पांजरापोल स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मुंबई के प्रवेश द्वार पर भव्य दही हांडी उत्सव का आयोजन किया जाता रहा है। इसी प्रकार, इस वर्ष भी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) संलग्न कलाकुंज मित्र मंडल द्वारा दही हांडी उत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गोविंदा पथको के लिए मराठमोला सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव अविनाश महातेकर, शिवसेना विधायक तुकाराम काते

आरपीआई महाराष्ट्र महासचिव गौतम सोनवणे, मुंबई अध्यक्ष सिद्धार्थ कसारे आदि उपस्थित थे। इस दही हांडी उत्सव में आरपीआई कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में स्थानीय प्रशंसक उपस्थित थे। इस अवसर पर आयोजक संजय डोलसे ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदासजी आठवले के मार्गदर्शन में सर्वधर्म समभाव की दृष्टि से, हम पिछले 19 वर्षों से मुंबई के प्रवेश द्वार पर दही हांडी उत्सव का आयोजन करते आ रहे हैं। इस उत्सव में 300 से अधिक गोविंदा पथक शामिल होकर सलामी देते हैं। हमारे मंडल के माध्यम से गोविंदा पथक के लिए चाय, पानी, नाश्ता और एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है तथा मराठी के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

88 लाख बच्चों ने किया ड्राप आउटः पंकज पटेल

विधायक ने सदन में उठाया शिक्षा की दुर्व्यवस्था का मुद्दा

रियाजुल हक

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा सत्र के दौरान में सपा विधायक पंकज पटेल ने बेसिक शिक्षा विभाग की स्थिति पर सदन में सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक करोड़ चार लाख तिरानवें हजार तीन सौ नवासी छात्र नामांकित हैं। जबकि कार्यरत शिक्षकों की संख्या तीन लाख अडतीस हजार पांच सौ नब्बे है। इस अनुपात के हिसाब से देखा जाए तो आज भी करीब ग्यारह हजार दो सौ दो अध्यापकों की कमी है।

विधायक पंकज पटेल ने आंकड़ों पर नजर डालते हुए कहा कि पिछले चार सालों में 88 लाख बच्चों ने ड्रॉप आउट कर दिया है। 2022-23 में एक करोड़ 92 लाख छात्रों का नामांकन था,जो अब घटकर एक करोड़ चार लाख हो गया है। सरकार पर आरोप लग रहा है कि शिक्षकों की भर्ती नहीं करने के कारण शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हुई है और बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया। आरोप लगाया कि सरकार शिक्षकों की भर्ती से बचने के लिए अनुपात-समानुपात का बहाना बनाती है। यदि 2022-23 में साढ़े पांच लाख से छह लाख शिक्षक होते तो शायद स्थिति इतनी खराब नहीं होती। आज जो स्कूल बंद और मर्जर किए जा रहे हैं।उसकी आवश्यकता नहीं पड़ती अगर पर्याप्त शिक्षक होते और बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती। कहा कि यह कोई मामूली गलती नहीं है। बल्कि एक सुनियोजित अपराध है जिससे करोड़ों मासूम बच्चों के सपनों को छीना गया है। इसका शिकार दलित और पिछड़ा वर्ग हुआ है। जो अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए सरकारी विद्यालय पर निर्भर हैं। सरकार की इस मानसिकता को समझने की जरूरत है जो पिछड़ों और अति पिछड़ों को अशिक्षित रखकर गुलाम बनाना चाहती है। विधायक पंकज पटेल ने सरकार से पूछा कि क्या सरकार प्रदेश में शिक्षक भर्ती करने पर विचार करेगी? हां तो कब तक नहीं तो क्यों क्या सरकार प्राइमरी विद्यालयों में 6 वर्ष की जगह 4 वर्ष में नामांकन करने का विचार करेगी। हां तो कब तक नहीं तो क्यों? इन सवालों का जवाब सरकार को देना होगा और शिक्षा की स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

विधायक पंकज पटेल के सवाल पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि वर्तमान में प्राथमिक विद्यालयों में एक करोड़ 4 लाख 93 हजार 389 छात्रों का नामांकन हुआ है। उनके सापेक्ष कार्यरत शिक्षक 3 लाख 38 हजार 590 हैं। सरकार एक भी विद्यालय बंद नहीं कर रही है। बल्कि मर्जर की प्रक्रिया को अपनाया गया है जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

लाइन बाजार पुलिस ने चार पुरूष व एक महिला आरोपी को किया गिफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइनबाजार पुलिस टीम द्वारा चार आरोपी व एक महिला आरोपी को गिफ्तार किया गया। साथ ही कब्जे से 160 ग्राम नशीला पाऊडर (हेरोइन) व 01 छोटा तराजू व 10 बटखरा, पैंकिंग की पन्नी (लगभग 125) व रबड बैंड व 01 चार पहिया वाहन न0-यूपी62 सीसी 0097 व दो अदद कीपैड मोबाईल व 1800 रुपया नगद बरामद। प्रभारी निरीक्षक लाइन बाजार व थाना लाइनबाजार पुलिस टीम मय स्वाट टीम द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर 04 नफर आरोपीगण 1. पुनित अस्थाना पुत्र दिनेश चन्द्र अस्थाना निवासी सीटी स्टेशन के पास थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर 2.दिव्यम सिंह पुत्र संदीप सिंह निवासी काली कुत्ती थाना कोतवाली जनपद जौनपुर 3.तालिब पुत्र मो0 रईश निवासी काली कुत्ती थाना कोतवाली जनपद जौनपुर 4. राहुल सिंह पुत्र प्रमोद कुमार सिंह निवासी महरुपुर थाना जफराबाद जनपद जौनपुर व एक नफर अभियुक्ता 1. प्रमिला देवी पत्नी स्व0 रामलाल निवासी केशवपुर डी0एम0 आवास के पीछे थाना कोतवाली जनपद चंदौली को 160 ग्राम नाजायज नशीला पाऊडर (हेरोइन) व एक अदद छोटा तराजु व 10 अदद बटखरा, पैंकिंग की पन्नी (लगभग 125) व रबड बैंड व एक अदद चार पहिया वाहन, दो अदद कीपैड मोबाईल व 1800 रुपया नगद के साथ दिनांक 16.08.2025 समय करीब 01.50 बजे पानी की टंकी के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 323/25 धारा 8/22 एन.डी.पी.एस.एक्ट थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मानवता की मिसालः सड़क हादसे में घायलों की मदद करने पर डॉ.अबु फैसल सम्मानित

स्वतंत्रता दिवस पर एसपी डॉ.कौस्तुभ ने प्रशस्ति पत्र देकर बढ़ाया उत्साह

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कठिन परिस्थिति में भी मानव सेवा को सर्वोपरि रखने वाले हबीब हॉस्पिटल खेतासराय के आथोर्पेडिक सर्जन डॉ. अबु फैसल को 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी डा.दिनेश चंद्र की मौजूदगी में पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जमदहा गांव निवासी अब्दुल मन्नान के पुत्र डॉ. फैसल खेतासराय हबीब हॉस्पिटल समेत कई संस्थानों में सेवाएँ दे रहे हैं। विदित हो कि 12 अगस्त को गुरैनी क्षेत्र में रोडवेज बस और ट्रक की भिड़ंत में पांच यात्रियों की मौत हो गयी थी और दो दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

सूचना मिलते ही डॉ. फैसल ने बिना देर किए मौके पर पहुँचकर घायलों को जीवनरक्षक उपचार दिया और अस्पताल लाकर निशुल्क इलाज किया पुलिस के रेस्क्यू में अहम भूमिका निभाई। एसपी डॉ. कौस्तुभ ने कहा, यह केवल पेशेवर कर्तव्य नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता की मिसाल है। जिस साहस और तत्परता से डॉ. फैसल ने हादसे के पीड़ितों की मदद की, वह प्रेरणादायी है। डॉ. फैसल को सम्मानित किए जाने की खबर से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने उन्हें ह्यमानवता का सच्चा प्रहरीह्व बताते हुए बधाई दी। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने कहा, यह सम्मान पूरे जिले के चिकित्सा जगत लिए गौरव की बात है।

खड़े ट्रैक्टर से टकराई बाइक, दो की मौत, एक की हालत गंभीर

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के कुद्दूपुर के पास खड़े ट्रैक्टर में बाइक की जोरदार भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई है जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। बताते हैं कि लाइन बाजार थाना क्षेत्र के बेलवा रामसागर गांव निवासी तीन युवक 22 वर्षीय शुभम पुत्र शिवशंकर, 24 वर्षीय जय सिंह पुत्र विजय कुमार और 22 वर्षीय दीपक कुमार पुत्र दयांशकर एक ही बाइक पर सवार होकर कुद्दूपुर के पास लड्डू लेने आए थे। लड्डू लेकर घर जा ही रहे थे कि कुद्दूपुर के पास खड़ी ट्रैक्टर में तेज रफ्तार बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। घटना में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आननफानन में स्थानीय लोगों ने सूचना पुलिस और एम्बुलेंस को दी। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस के बाद तीनों को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने शुभम और जय को मृत घोषित कर दिया जबकि दीपक की हालत गंभीर देख उसे वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

चोरी गया पैसा, सोना व चांदी के जेवरात बरामद

पिपरी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियो की गिरफ्तारी के विरुद्ध चलाये जा रहे।अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी पिपरी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय थाना पिपरी के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 16.06.2025 को थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0स0-166/2025 धारा 305 (ए) बीएनएस थाना पिपरी जनपद सोनभद्र से सम्बन्धित चोरी गयी पैसा व सोना व चाँदी के जेवरात की बरामदगी हेतु उ0नि0 दिलीप कुमार सिंह के हमराह गठित टीम द्वारा चोरी गये पैसा व सोना व चाँदी के जेवरात को वीआईपी कालोनी तुर्रा अभियुक्त मो0 सैफ पुत्र मो0 रफीक निवासी डी0-07 के बगल में झोपडी नं0-9 वी0आई0पी0 कालोनी तुर्रा थाना पिपरी जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष के कब्जे से बरामद किया गया। फलस्वरूप अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी कर आरोपी उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपीगण का नाम पताः- मो0 सैफ पुत्र मो0 रफीक निवासी डी0-07 के बगल में झोपडी नं0-9 वी0आई0पी0 कालोनी तुर्रा थाना पिपरी जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष।

बरामदगी का विवरणः- पीली धातु मंगल सूत्र एक, नाक की नथुनी एक, अंगुठी दो, झुमका एक जोड़ा, नाक का नथिया एक, मांग टीका एक, कान की झाली एक जोड़ा, लाकेट माला एक, सफेद धातु विछीया पाँच जोड़ा, बच्चा का कंगन एक जोड़ा, पायल तीन जोड़ा, शेरमुखी अंगुठी एक, पायजेब एक जोड़ा, कटोरी चम्मच एक, गिलास एक, सफेद धातु का सिक्का दो, सफेद जीउतिया दो तथा जनरल मोती की माला एक, दस रुपये की नोट 56 कुल 560 रुपये।

तमंचा व कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डॉ0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोक थाम एव अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे । अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज जौनपुर अजीत सिंह चौहान के पर्वेक्षण मे शाहगंज पुलिस बल द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर शातिर आरोपी आदित्य सिंह पुत्र अमर बहादुर सिंह निवासी ग्राम नोनहट्टा थाना शाहगंज जनपद जौनपुर को नाजायज तमंचा व कारतूस के साथ कौड़ियां से पक्का पोखरा जाने वाले रास्ते पर ठकठोलिया के पास से आज दिनांक 17.08.2025 को समय 13:17 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 291/2025 धारा 9/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जन्माष्टमी के रस में डूबे चन्दवक थाना के पुलिस कर्मी

गुड़िया राज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। चन्दवक थाना परिसर में कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार बहुत ही उत्साह के साथ हर साल की भाति इस साल भी मनाया गया। थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह के नेतृत्व में सभी पुलिस कर्मियों ने पूजा अर्चन किया। थाना परिसर में प्रसाद वितरण भी किया गया,पतरही पुलिस चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र दत्त ने प्रधानों और प्रतिनिधियों का अंग वस्त्र देकर सम्मान किया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख अजय प्रकाश सिंह के डी, बजरंगनगर, व्यपार मंडल अध्यक्ष डॉ. नरसिंह, बहादुर सिंह,पत्रकार रामजनम पटेल, गुड़िया राज समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।दूर दराज से आए लोगों ने थाना परिसर की सजावट की सहारना की,पतरही चौकी इंचार्ज समेत पुलिस कर्मियों ने ड्यूटी पर रहते हुए भी त्योहार का आनंद लिया।चन्दवक थाना परिसर में कई हजार श्रद्धालु भोजन ग्रहण किए तथा झांकी का आनंद लिए, पूरे थाना परिसर के पुलिस कर्मी भक्ति के रस में डूब गए थे।बम, बम बोल रहा है, काशी गाने पर थाना परिसर तथा श्रद्धालु भी अपना हाथ ऊपर करके झूम उठे आस, पास के गली, मोहल्ले और बाजारों में भी जन्मआष्टमी की धूम रही। स्थानीय मंदिरों और घरों में झांकिया सजाई गई।

देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत नजर आया नगर, नन्हें मुन्हे बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी

प्रशासन सहित आम जनमानस ने मनाया 79 वॉ स्वतंत्रता दिवस

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरा नगर देशभक्ति की भावना ओतप्रोत नजर लोगों ने अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों आदि पर तिरंगा फहरा कर उसको नमन किया। सबसे ज्यादा उत्साह छोटे छोटे नौनिहालों में देखने को मिला जो हाथों में तिरंगा लहराते हुए देशभक्ति के गीतों पर मचलते हुए भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। क्षेत्र के विद्यालयों में आजादी का जश्न बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा भी अपने कार्यालय के भवनों पर तिरंगा फहराने के पश्चात लोगों में मिष्ठान वितरित किया गया। कुछ संस्थाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था जिसमें नौनिहालों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया।प्रशासनिक भवनों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष रूप से रंगीन लाइटों एवं रंग बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था। राम अवध पीजी कालेज,राजकीय महिला महाविद्यालय, मती राजदेई सिंह महिला महाविद्यालय, बालिका इंटर कॉलेज, सेंट थॉमस इंटर कॉलेज, प्राइमरी पाठशाला, कस्तूरबार आवासीय विद्यालय, आदि में झंडारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों में देशभक्ति की भावना के प्रति जागृत करने का काम किया गया।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन करना हमारा उद्देश्य

मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा पूरे जनपद में चलाया गया व्यापक जनजागरूकता अभियान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक ।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों तथा मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक किया। प्रमुख बिंदु महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई।मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना,निराश्रित महिला पेंशन योजना,राष्ट्रीय पोषण मिशन,मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना,बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना,प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना आयुष्मान भारत योजना,महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गए। वीमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपात सेवा-112, सीएम हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर हेल्पलाइन-1930, सहभागिता एवं संवाद,अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषकर युवतियों एवं महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। उपस्थित नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग भी की। जनपद पुलिस की प्रतिबद्धता, जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति के तहत निरंतर जारी रहेगा, ताकि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।सोशल मीडिया सेल जनपद जौनपुर।

बोरीवली के दहीकाला उत्सव में पहुंचे मुख्यमंत्री और पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी

बोरीवली, मुंबई। बोरीवली के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय द्वारा आयोजित बोरीवली दहीकाला उत्सव के शानदार कार्यक्रम में महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उत्तर मुंबई के जनसेवक पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उपस्थिती दर्ज कराते हुए आयोजन को विशेष भव्यता प्रदान की। मोक्ष प्लाजा शॉपिंग मॉल के सामने, स्वामी विवेकानंद रोंड बोरीवली (पश्चिम) में हुए इस आयोजन में हजारों नागरिकों की भीड़ इस दहीकाला उत्सव की साक्षी बनी और विभिन्न गोविंदा टोलियों द्वारा मटकी फोड़ने के शानदार प्रयासों का सभी ने रोमांच और उत्सुकता से आंनद लिया। इस आयोजन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जनसेवक गोपाल शेट्टी, विधायक संजय उपाध्याय और विधान परिषद के विधायक तथा गट नेता प्रवीण दरेकर सहित अनेक प्रतिष्ठित मान्यवर उपस्थित रहे।

यूएसडी डीएवी और सेंट जोसेफ स्कूल में धूम-धाम से मनाई गई कृष्णजन्म अष्टमी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में स्थानीय शहरी क्षेत्र के यूएसडी डीएवी पब्लिक स्कूल व सेंट जोसेफ स्कूल के बच्चों द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एलकेजी से कक्षा दो तक के बच्चों ने बाल राधा, कृष्ण और सुदामा का रूप धारण कर भावपूर्ण अभिनय व नृत्य प्रस्तुत किया। डीएवी के प्राचार्या डॉ.विजय साहू, व सेंट जोसेफ स्कूल के निदेशक सीओ पुनुष ने आपने-अपने स्कूल के बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए श्रीकृष्ण के जीवन से सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा लेने की बात कही। दोनों विद्यालय के प्राचार्यों ने जन्माष्टमी का महत्व बताया। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाओं ने बच्चों के साथ कार्यक्रम में अहम योगदान दिया। मौके पर सभी बच्चे और शिक्षक-शिक्षिकाएं व बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे।

गौरा चौराहा थाना परिसर में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। थाना गौरा चौराहा में इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भव्य और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में पूरे थाना परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, और पौराणिक विधि-विधान के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। शास्त्रों के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण 5252 वर्ष पूर्व हुआ था। उसी परंपरा को निभाते हुए, रात्रि 12 बजे रोहिणी नक्षत्र में शंख, घड़ियाल और नाद की ध्वनि के साथ सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया। अनिल कुमार सिंह ने श्रद्धालुओं के साथ मिलकर पूजन और अर्चना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शों के क्रम में, पूरे बलरामपुर जनपद में सभी थाना, कोतवाली और चौकियों में जन्माष्टमी विशेष आयोजन के साथ मनाई गई। इसी कड़ी में गौरा चौराहा थाने में भी भव्य पंडाल और लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। सुबह के समय हवन और पूणाहुति के साथ श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की गई। थाना प्रभारी द्वारा मनभावन रूप में सजे कन्हैया का पूजन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। पूरे कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन और भी गौरवशाली बन गया।

इंकोलेस्ट्रॉल महाराष्ट्र की सेहत पर भारी पड़ रहा है

मुंबई। महाराष्ट्र में एक खामोश लेकिन खतरनाक बदलाव हो रहा है। इंह्रि कोलेस्ट्रॉल कहे जाने वाले एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ रहा है, जिससे लाखों लोग समय से पहले हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे में आ गए हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में हर चार वयस्कों में से एक को हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है और इनमें एलडीएल सबसे बड़ा कारण बन रहा है। एलडीएल की बढ़ती दर में महाराष्ट्र देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हो गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि 35 से 54 साल के उम्र वर्ग में यह तेजी सबसे ज्यादा है। पहले दिल की बीमारी को उम्रदराज लोगों की समस्या माना जाता था, लेकिन अब भारतीयों को पश्चिमी देशों की तुलना में कम उम्र में ही दिल के दौरे पड़ रहे हैं। भारत में करीब 50% हार्ट अटैक 50 साल से पहले और 25% मामले 40 साल से पहले हो रहे हैं। देश में पहला हार्ट अटैक आने की औसत उम्र अब लगभग 53 साल है, जो पश्चिमी देशों से करीब पांच साल कम है। यह खतरा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है। ग्रामीण महाराष्ट्र में भी जीवनशैली में बदलाव – कम शारीरिक गतिविधि, प्रोसेस्ड और तैलीय खाने का अधिक सेवन, और बढ़ता तनाव– की वजह से एलडीएल का स्तर बढ़ रहा है। पुरुष और महिलाएं, दोनों में इसका प्रसार लगभग बराबर है। चूंकि एलडीएल का असर अक्सर चुपचाप बढ़ता है, इसलिए लोगों को तब तक पता नहीं चलता जब तक अचानक दिल का दौरा न पड़ जाए। पश्चिम भारत में अब हर चार में से तीन लोगों में कम से कम एक तरह की लिपिड असामान्यता है। राष्ट्रीय स्तर पर 81% भारतीयों के कोलेस्ट्रॉल प्रोफाइल असामान्य हैं, जिसमें मुख्य कारण हैं– हाई एलडीएल, कम एचडीएल और बढ़े हुए ट्राइग्लिसराइड्स। ये गड़बड़ियां हर साल होने वाली कुल मौतों में से एक चौथाई से ज्यादा के लिए जिम्मेदार हैं।

यशोदा के गाल पर कृष्ण का चुम्बन : वात्सल्य और अनुशासन का सबसे श्रेष्ठ चित्र

सुरेश गांधी
वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जन्माष्टमी का पर्व केवल भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की स्मृति भर नहीं, बल्कि मां - बेटे के रिश्ते की दिव्यता का भी उत्सव है। इस उत्सव में संपूर्ण भारत श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं में डूब जाता है। मंदिरों से लेकर घर-आंगनों तक हर कहीं रास, लीला और भक्ति का अद्भुत मनोहारी छटा दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का स्मरण हर भक्त को आनंदित कर देता है। इन्हीं लीलाओं में से एक दृश्य ऐसा है जिसे भक्तगण आज भी सबसे श्रेष्ठ मानते हैं, जब नन्हे कान्हा अपनी मैया यशोदा के गाल को चूमते हैं। यह दृश्य साधारण प्रतीत हो सकता है, परंतु गहराई से देखें तो यह मातृत्व, प्रेम और अनुशासन का

अनुपम संगम है। यह दृश्य हमें सिखाता है कि मां का हर कठोर शब्द भी अंततः प्रेम और सुरक्षा का ही रूप होता है। जन्माष्टमी के इस पावन अवसर पर यशोदा और कृष्ण का यह अनुपम दृश्य हर भक्त को स्मरण कराता है, मातृत्व का संसार में कोई विकल्प नहीं है। जी हां, यशोदा मैया के गाल पर नन्हे कृष्ण का चुम्बन, डांट और डर के बीच भी मां के प्रति मासूम निवेदन। जन्माष्टमी का यही संदेश है, मातृत्व का आधार केवल प्रेम है। श्रीकृष्ण की शरारतें सबको प्रिय थीं, किंतु अपने घर में वे केवल मां यशोदा को ही चूमा करते थे। नंदबाबा या घर के अन्य किसी सदस्य को यह विशेष स्नेह नहीं मिला। यह अधिकार सिर्फ उनकी मैया के हिस्से आया। वैसे भी श्रीकृष्ण का स्वभाव नटखट था। चोरी से माखन खाना, मटकी फोड़ना और गोपियों को सताना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। ऐसे में यशोदा मैया उन्हें डांट देतीं, जबकि नंदबाबा कभी नहीं डांटते थे।

इससे बालकृष्ण मां की डांट से डर जाते। उस कोमल उम्र में जब बोलकर भाव व्यक्त करना कठिन था, तब वे चुपचाप मां का गाल चूम लेते। मानो कह रहे हों, मैया, मुझे इतना मत डाटो। मैं तुमसे डर जाता हूं। मुझे प्रेम से समझाओ। यह दृश्य केवल एक माँ-बेटे का संवाद नहीं, बल्कि मातृत्व और वात्सल्य का अनुपम प्रतीक है। यही कारण है कि इसे कृष्ण लीलाओं की सबसे श्रेष्ठ तस्वीर माना जाता है। जन्माष्टमी के अवसर पर यह प्रसंग हर भक्त को स्मरण कराता है कि श्रीकृष्ण केवल ईश्वर ही नहीं, बल्कि मां यशोदा के नन्हे लल्ला भी थे।

इस मौके पर तेजी से वायरल हो रहे इस चित्र को गुजरात के बड़ोदरा निवासी रेलवे से सेवानिवृत सीनियर ऑफिसर रहे अमृत लाल जायसवाल द्वारा भेजी गई यह तस्वीर यूं तो हजारों कृष्ण चित्रों के बीच एक सामान्य दृश्य प्रतीत होती है, परंतु गहराई से देखने पर यह न केवल सबसे सुंदर, बल्कि सबसे श्रेष्ठ तस्वीर सिद्ध होती है।

कृष्ण का यह चुम्बन केवल मासूम हरकत नहीं, बल्कि मां के प्रति उनकै गहन विश्वास और अटूट स्नेह का प्रतीक है। यह हमें यह सिखाता है, मां का अनुशासन चाहे कठोर लगे, पर उसका आधार सदैव प्रेम ही होता है। यह कथा न केवल भक्तों के लिए एक आध्यात्मिक संदेश है, बल्कि हर मां -बेटे के रिश्ते की गहराई को उजागर करने वाली जीवनदृष्टि भी है।

तेजाब पीने से झुलसी 2 साल की बच्ची का किया सफल इलाज

मुंबई। नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई ने हाल ही में दो साल की एक बच्ची की जिंदगी बचाने में सफलता हासिल की। बच्ची ने खेलते समय गलती से घर में बना एक कॉकरेच मारने वाला घोल (बेकिंग सोडा और चीनी का मिश्रण) पी लिया था, जो उसके लिए जानलेवा साबित हो सकता था। बच्ची को बेहद गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। घोल पीने के कुछ घंटों के भीतर ही बच्ची को उल्टी, खून की उल्टी, होंठों में सूजन और मुंह में कई दर्दनाक छाले जैसे गंभीर लक्षण दिखने लगे। शुरूआत में बच्ची को एक अन्य अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक इंटेन्सिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में शिफ्ट किया गया। वह काफी असहज और परेशान थी, उसका दिल तेजी से धड़क रहा था और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी। हल्की सी घरघराहट के बावजूद बच्ची का ऑक्सीजन स्तर सामान्य था और उसे अतिरिक्त ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ी। जांच में होठों और मुंह के अंदर घाव साफ नजर आए।

शुरूआती इलाज के दौरान बच्ची को तीन हफ्तों तक कुछ भी खाने-पीने नहीं दिया गया। उसे पीआईसीयू में रखा गया, जहां उसे नसों के जरिए पोषण (TPN) और हाई-ग्रेड एंटीबायोटिक्स दिए गए। कुछ समय बाद उसे धीरे-धीरे खाना शुरू कराया गया। लेकिन भोजन नली में लगातार बनी सिकुड़न की वजह से उसे कई बार बैलून डाइलेशन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जो कई महीनों तक चला।

डॉ. रसिक शाह, सीनियर कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक सर्जरी, नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मुंबई ने कहा, बच्चों में होने वाली कॉरोसिव इंजरी यानी कि ऐसी चोट जो तेज केमिकल के कारण शरीर के अंदर और बाहर जलने जैसी हालत पैदा करे, बेहद गंभीर और जटिल हो सकती हैं। इस केस में हमें इलाज के दौरान कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा – भोजन नली में सिकुड़न से लेकर इलाज के बाद की जटिलताएँ तक। लेकिन गैस्ट्रिक पुल-अप सर्जरी की सफलता और बच्ची का दोबारा मुंह से खाना खा पाना हमारे पूरी पीडियाट्रिक टीम की मेहनत और समन्वय का परिणाम है।

गणतांत्रिक समाज पार्टी का एलान – बिहार की सभी 243 सीटों पर उतारेगी उम्मीदवार

पटना(उत्तरशक्ति)। गणतांत्रिक समाज पार्टी की प्रदेश स्तरीय बैठक वेद नगर स्थित बुद्धा रेसिडेंसी में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन की भावी रणनीति, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों तथा जनता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि उनका संकल्प प्रदेश में स्वच्छ राजनीति, विकास, सामाजिक न्याय एवं समान अवसरों की स्थापना करना है। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद ने कहा कि गणतांत्रिक समाज पार्टी अब किसी गठबंधन की मोहताज नहीं है। हम अकेले दम पर चुनाव लड़ेंगे और जनता के समर्थन से बिहार में नई राजनीतिक संस्कृति की शुरूआत करेंगे। जनता परिवर्तन चाहती है और हम वही विकल्प हैं जो उन्हें ईमानदार और पारदर्शी सरकार दे सकते हैं। हमारी प्राथमिकता है कि समाज के शोषित, पिछड़े, अति-पिछड़े और वंचित वर्ग को न्याय दिलाया जाए तथा युवाओं को सम्मानजनक अवसर प्रदान किया जाए।

वहीं, कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी की वरिष्ठ नेत्री सुजाता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना कोई भी समाज सशक्त नहीं हो सकता। हमारी पार्टी महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और रोजगार को प्राथमिकता बनाकर हर घर तक न्याय और विकास का संदेश ले जाएगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि महिलाओं, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को बराबरी का अधिकार और सम्मान मिले।

बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों के साथ-साथ बिहार के सभी जिला अध्यक्ष भी मौजूद रहे, जिन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और चुनावी अभियान को धार देने के लिए अपने विचार साझा किए। पार्टी ने निकट भविष्य में जिलावार सम्मेलन आयोजित करने की भी घोषणा की, ताकि जमीनी स्तर पर संगठन को और सुदृढ़ किया जा सके।

बैठक में प्रमुख रूप से उपेंद्र शर्मा, अनुज शर्मा, रामशंकर शर्मा, डॉ. संजीव पोद्दार, सुनीता सोनी, डॉ. अर्जुन शर्मा, रत्नेश, प्रीतम विश्वकर्मा, विद्या भूषण शर्मा, राजकरण शर्मा, अमीर चंद शर्मा, डॉ. रघुनंदन शर्मा, अभिषेक बिहारी सहित पार्टी के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

समाजसेवी रतन मिश्रा राष्ट्र रत्न पुरस्कार से सम्मानित

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। लखनऊ गोमती नगर में भारत को शक्तिशाली सामर्थ्यवान तथा संगठित बनाने के उद्देश्य से 22 जून 2004 में स्थापित नरेंद्र मोदी विचार मंच से 28 संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्षों की मंच के राष्ट्रीय महामंत्री तथा संगठन महामंत्रियों की दो दिवसीय समन्वय बैठक का आयोजन राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष रवि चाणक्य के मार्गदर्शन में प्रमुख राष्ट्रीय महामंत्री संगठक दिलीप सिंह, प्रदेश अध्यक्ष बृजेश मिश्रा, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन संजय पांडेय एवं नवनीत श्रीवास्तव के आयोजन में संपन्न हुई। समन्वय बैठक में राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच ,खेल कला एवं सांस्कृतिक मंच ,राष्ट्रीय प्रेस महासंघ, राष्ट्रीय सेवा प्रतिष्ठान, राष्ट्रीय शिक्षक मंच, कृषक मंच, राष्ट्रीय ओवरसीज मंच सहित

सभी 28 अनुसांगिक संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्षों की उपस्थिति में संपन्न हुई ।इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष रवि चाणक्य ने कहा कि नरेंद्र मोदी विचार मंच का उद्देश्य राष्ट्र की सेवा है तथा हम इसके माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंच कर उन्हें सबल बनाना चाहते हैं। सेवा को लेकर उन्होंने बताया कि साथ मिलकर लक्ष्य की दिशा में काम करने से लक्ष्य की सिद्धि प्राप्त होती है तथा संगठन की दक्षता में सुधार होता है ।उन्होंने कहा कि समन्वय बैठक अर्थात साथ में मिलकर काम करने से न केवल टीम भावना जागृत होती है बल्कि लोक जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में सफलता भी मिलती है ।उन्होंने आगे बताया कि हम भारत माता को विश्व गुरु के रूप में देखना चाहते हैं साथ ही देश को सामर्थ्यवान बनाना चाहते हैं ।ऐसी स्थिति में सभी अनुसांगिक संगठनों के सेवा कार्यों के माध्यम से राष्ट्र को मजबूती मिलेगी ।सभा का आयोजन बड़े अच्छे ढंग से संपन्न हुआ।

सांसद ने दीप प्रज्वलित कर शुरू की महावीरी मेला का उद्घाटन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के जगदीशपुर में मंगलवार को संकट मोचन महावीरी मेला का आयोजन क्षेत्र के लोगों द्वारा किया गया। रंगारंग मेला का उद्घाटन महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह, सिग्रीवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। स्थानीय सांसद जनार्दन सिंह। इस दौरान पूरा मेला क्षेत्र जय बजरंगबली के गगनभेदी जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि जी-20 सम्मेलन से भारत की छवि अंतरष्ट्रीय वैश्विक मंच पर एक अलग छवि बनी है। जी 20 शिखर सम्मेलन से विश्व के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोहा माना है। सांसद ने कहा कि श्री मौनिया बाबा मेला को राजकीय मेला घोषित किया गया है। जनता कि मांग पर मैंने

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मेला को राजकीय कराया। उन्होंने कहा कि मेला भाईचारा, सद्भाव ,एकता का संगम दिखाता है।अनेकता में एकता व मेल मिलाप का प्रतीक है। कार्यक्रम में अपनी कला को प्रस्तुत करने के लिए दूध दराज सिंह जो भी कलाकार पहुंचे हैं उनको भी धन्यवाद है जो स्थानीय लोगों द्वारा आयोजित मेला को आकर्षक बनाने में लोगों का सहयोग दे रहे हैं। भाजपा नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, सिवान जिला भाजपा के महामंत्र अवधेश पांडे, भाजपा के प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह, शिकू चीकू श्रीवास्तव, डॉ. त्रिपुरारी शरण, अजय कुमार, संजय सिंह राजपूत, दी सीवान कॉपरेटिव के डायरेक्टर इंशाद आलम कैश, विकास सिंह, राजन सिंह, पंकज सिंह, नरेंद्र सिंह, दिवाकर तिवारी, लाल बहादुर सिंह, दिपनारायन, सिंह, प्रो सुबोध कुमार सिंह, कुंदन सिंह, बीआईबी बिजेंद्र सिंह, शैलू यादव, चंदन दुबे, विकास देव सिंह आदि संसद के साथ मौजूद थे।

एड. अशोक वर्मा के नेतृत्व में विभिन्न मांगो को लेकर एक दिवसीय आंदोलन

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई पश्चिम डीसीपी जोन 2 के कार्यालय के सामने 15 अगस्त 2025 को धरना रखा।आंदोलन में एड . अशोक वर्मा, किशन गुप्ता , एड. अनिल चव्हाण , रवि सिंह , समाजसेवी संजय गुप्ता , परदेशी कर्माकर , नम्रता वैती ,किशोर मोहिते , सुमित्रा नंदन व अन्य तमाम लोग मौजूद थे ।आंदोलन में विभिन्न मांगों को लेकर एक दिन धरना दिया । जिसमें ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में एफआईआर दर्ज करने के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों, परमवीर सिंह सैनी बनाम बलजीत सिंह एवं अन्य, शफी मोहम्मद बनाम हिमाचल प्रदेश राज्य के साथ-साथ सोमनाथ लक्ष्मण गिरि एवं अन्य बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य के बीच सिविल रिट याचिका संख्या 692/2022 के मामले में 25/01/2022 को पारित उच्च न्यायालय बॉम्बे की माननीय खंडपीठ के निदेर्शों का कार्यान्वयन सुनिश्चित

करें; सीसीटीवी लगाने और उसके बैकअप के संबंध में . कृपया सुनिश्चित करें कि निर्दोष जनता, कार्यकताओं आदि पर पुलिस का कोई अत्याचार न हो। कृपया निर्देश दें और सुनिश्चित करें कि मानिकपुर पुलिस स्टेशन (गटर कांड मामला) की एफआईआर संख्या 142/2016 की कानून के प्रावधानों के अनुसार जांच की जाए और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, उन पर आरोप पत्र दायर किया जाए क्योंकि वे पुलिस के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं और भ्रामक बयान दे रहे हैं। इसके अलावा, मामले के सभी जाँच अधिकारी भ्रष्टाचार और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण आपस में मिले हुए हैं और बिना किसी और सत्यापन और कानूनी प्रक्रिया का पालन किए, अभियुक्तों द्वारा दिए गए भ्रामक बयानों और सूचनाओं पर विश्वास कर रहे हैं। साथ ही, एफआईआर संख्या 142/2016 के अभियुक्तों का समर्थन करने वाले और मामले की उचित जाँच के लिए तत्कालीन उप पुलिस आयुक्त, जोन 2 संजय पाटिल के आदेश की अवहेलना करने वाले सभी दोषी पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। सुनिश्चित करें कि, भारतीय दंड संहिता की धारा 166 ए, 188, 217, 218, आदि और भ्रष्टाचार अधिनियम के प्रावधानों के तहत राजेंद्र कांबले (तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, मानिकपुर पुलिस स्टेशन), श्रीमती डॉ. अश्विनी पाटिल, एमपीएस (एसीपी वसई और तत्कालीन उप पुलिस अधीक्षक वसई), विजयकांत सागर, एमपीएस (डीसीपी गृह और तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वसई), गौरव सिंह, आईपीएस (तत्कालीन पुलिस अधीक्षक पालघर), कैलाश शिंदे, आईएएस के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। (तत्कालीन जिला कलेक्टर, पालघर) पर एफआईआर दर्ज न करने, आरोपियों को बचाने, वह भी तब जब वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की पुलिस रिपोर्ट ने 11 करोड़ रुपये के दफन भूमि घोटाले में अपराध की पुष्टि की थी, और अपने वरिष्ठों और भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के वैध आदेश का पालन न करने के लिए, जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है।

एस के ग्रूप आफ कंपनी के संचालक अरुण सिंह ने देशवासियों को दी बधाई

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई निवासी रश्मि रीजेंसी 1, कार्यालय नंबर 7 व 8 वसई नालासोपारा न्यु लिंक रोड वसई के समाजसेवी व एस . के . ग्रुप आफ कंपनीज के संचालक भवन निमार्ता अरुण सिंह ने देशवासियों को 15 अगस्त 2025 व कृष्ण जन्माष्टमी तथा दहीहंडी पर देशवासियों को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अरुण सिंह ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस भारत की ब्रिटिश शासन से मुक्ति का प्रतीक है गुलामी के मुक्ति के आंदोलन में देश के लाखों राष्ट्र भक्तों ने अपने प्राणों की आहुति दी है । आजादी सैकड़ो बलिदानों के बाद हासिल हुई है , हिंद के सपनों को साकार करता हुआ समाज आगे बढ़ रहा है। , स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार के नारों को चरितार्थ करता समाज भारत निर्माण को गति दे रहा है । 15 अगस्त पर देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जन्माष्टमी पर अश्लील डांस, बदलापुर थानाध्यक्ष निलंबित

वीडियो वायरल होने पर हुई कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बदलापुर थाने में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में अश्लील डांस कराने वाले थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पांडेय को पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस मामले में विभागीय जांच अपर पुलिस अधीक्षक को सौंपी गई है। बदलापुर थाने में जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुझे नौ लखा मंगा दे वो साइयां दीवाने गाने पर नर्तकियों ने अर्धनग्न होकर नृत्य किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। एसपी डॉ. कौस्तुभ ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए थानाध्यक्ष को निलंबित करने की कार्रवाई की।

जन्माष्टमी के अवसर पर पुलिस लाइन और सभी थानों में आकर्षक झांकियां सजाई गईं और लोक एवं भक्ति गीतों के बीच यह पर्व मनाया गया। लेकिन बदलापुर थाने में हुई इस घटना ने पुलिस विभाग की किरकिरी करा दी। एसपी डॉ. कौस्तुभ ने पूरे मामले की जांच एसपी सिटी को सौंप दी है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद से ही पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है और तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

निजी घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए गढ़ा गया निजीकरण दस्तावेज

-सुरेश गांधी

वाराणसी. उत्तर प्रदेश में बिजली निगमों के निजीकरण को लेकर बवाल गहराता जा रहा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने विद्युत नियामक आयोग से मांग की है कि पावर कॉरपोरेशन द्वारा पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण हेतु भेजे गए आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) दस्तावेज को निरस्त किया जाए। समिति का आरोप है कि यह दस्तावेज निजी घरानों की मिलीभगत से तैयार किया गया है और इसे मंजूरी मिली तो प्रदेशभर के बिजली कर्मी नियामक आयोग के दफ्तर पर मौन प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

संघर्ष समिति ने आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार को याद दिलाया कि 5 अक्टूबर 2020 को जब वे उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष थे, तब एक लिखित समझौते में यह वचन दिया गया था कि बिजली कर्मियों को विश्वास में लिए बिना किसी भी क्षेत्र में निजीकरण नहीं होगा। समिति का कहना है कि मौजूदा दस्तावेज उस समझौते का सीधा उल्लंघन है। समिति ने आरोप लगाया कि पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण का यह प्रस्ताव अवैध ढंग से नियुक्त ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट ग्रांट थॉर्टन द्वारा तैयार किया गया है, जो निजी घरानों के हित साधने के लिए रचा गया है। आरएफपी दस्तावेज को समिति ने मेगा घोटाले का दस्तावेजह्व बताते हुए कहा कि इसकी आड़ में एक लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों को मात्र 6500 करोड़ रुपये के रिजर्व प्राइस पर बेचने की साजिश रची गई है।

विधुत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र,वाराणासी मीडिया सचिव प्रभारी अंकुर पाण्डेय ने आगरा का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह एटी एंड सी हानियां अधिक दिखाकर शहर की बिजली व्यवस्था टोरेंट पावर को सौंप दी गई थी, उसी प्रकार अब पूर्वांचल और दक्षिणांचल निगमों को बेचा जा रहा है। समिति के अनुसार, टोरेंट पावर हर साल 800 करोड़ रुपये का मुनाफा कमा रही है, जबकि पावर कॉरपोरेशन को करीब 1000 करोड़ रुपये का घाटा झेलना पड़ रहा है। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि निदेशक वित्त निधि नारंग निजीकरण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समिति का कहना है कि नारंग ने निजीकरण से संबंधित 10 से अधिक फाइलों की छायाप्रतियां अपने पास रख ली हैं, जिससे गोपनीय दस्तावेज बाहर जाने का खतरा है। समिति लंबे समय से उनके कमरे को सील करने की मांग करती रही है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने कहा कि यदि आयोग ने इस दस्तावेज को निरस्त नहीं किया तो आंदोलन की राह अपनानी पड़ेगी। मौन प्रदर्शन की शुरूआत नियामक आयोग कार्यालय से होगी। समिति के पदाधिकारियों ने अवकाश के दिन बैठक कर सभी जिलों और परियोजनाओं में जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया है, ताकि जनता को निजीकरण के नाम पर होने वाले घोटाले और लूट की सच्चाई से अवगत कराया जा सके।

स्कूल डांस कॉम्पिटिशन नृत्यांजलि का भव्य आयोजन

पटना। लायंस क्लब ऑफ पटना अनंता द्वारा इंटर स्कूल डांस कॉम्पिटिशन नृत्यांजलि का भव्य आयोजन स्थानीय रविन्द्र भवन में किया गया। इस प्रतियोगिता में पटना के 15 स्कूलों के छात्रों ने हिस्सा लिया और अपनी अद्भुत नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। इन स्कूलों के अतिरिक्त इस कार्यक्रम में एक स्लम के स्कूल सोशल वारियर को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन प्रदीप खेतान, बिहार राज्य सूचना आयुक्त प्रकाश कुमार, डॉ. राजेश गोश्वामी, लायंस क्लब अनंता की अध्यक्ष मौसमी दास गुप्ता, लायन बबिता सिन्हा आदि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रतियोगिता में कंटेम्पररी रीजनल और लाइट क्लासिकल डांस की प्रस्तुतियों ने समां बाँध दिया।

मेरिकन टूरिस्टर ने 'अर्बन कलेक्शन' लॉन्च किया

मुंबई। अमेरिकन टूरिस्टर ने लवचाइल्ड मसाबा के साथ मिलकर 'अर्बन कलेक्शन' लॉन्च किया है। लगेज की एक स्टाइलिश नई रेन्ज है, जिसको देखकर आप छुट्टियों में यात्रा पर जाने के लिए उमड़ पड़ेंगे। उपयुक्तता, क्षमता को बेजोड़ फैशन-फॉरवर्ड डिजाइन को एक साथ लाते हुए, इस साझेदारी ने हर सूटकेस में छुट्टियों के लिए नयी ऊर्जा को भर दिया है।

इसके लिए बनाए गए विशेष ट्रेंडी, रंगीन अभियान में एक बोल्ड विजुअल भाषा का उपयोग किया गया है, जो 'हॉलिडे मोड' को दर्शाकर घुमक्कड़ी के उत्साह को सम्मानित करता है। अर्बन कलेक्शन उन आधुनिक यात्रियों के लिए बनाया गया है, जो स्टाइल और सार दोनों चाहते हैं। यह कलेक्शन अमेरिकन टूरिस्टर की अंतर्राष्ट्रीय छवि को मसाबा के विशिष्ट बोल्ड प्रिंट्स और चंचल मोटिफ के साथ जोड़ता है, जिससे ऐसा लगेज तैयार हुआ है, जो स्टाइल और उपयुक्तता दोनों में अनोखा है। गर्मियों की छुट्टियों के मौसम के लिए बिल्कुल सही समय पर पेश किया गया, अमेरिकन टूरिस्टर लवचाइल्ड मसाबा कलेक्शन उत्सव, रोमांच और सुकून की भावना को दशार्ता है और डिजाइनों में अनोखे हॉलिडे मोटिफ को समेटे हुए है। यह रेंज यात्रा को बेहद खुशनुमा बना देती है। अपने अनोखे एस्थेटिक्स के लिए जानी जाने वाली, मसाबा गुप्ता ने इस कलेक्शन में न केवल अपनी रचनात्मक प्रतिभा का योगदान दिया है, बल्कि इस कैंपेन में भी मुख्य भूमिका निभाते हुए अपनी स्टाइल, आत्मविश्वास और आकर्षण का अनूठा मिलाप प्रदर्शित किया है। चटकीले रंगों और हॉलिडे-प्रेरित प्रिंट्स के साथ, यह कलेक्शन मसाबा के उन्मुक्त डिजाइन डीएनए को दशार्ता है, जो अमेरिकन टूरिस्टर की सहज और स्टाइलिश यात्रा के लिए वैश्विक प्रतिष्ठा के साथ मिलकर बना है। सैमसोनाइट साउथ एशिया की कार्यकारी निदेशक, मार्केटिंग, अनुश्री टैनवाला ने कहा, यह कलेक्शन एक ताजा और युवा ऊर्जा के साथ सफर का आनंद लेने के बारे में है। लवचाइल्ड बाय मसाबा के साथ यह सहयोग साहस की चाहत और सफर के लिए उत्साह का उत्सव है। हमारा हमेशा से मानना रहा है कि लगेज उपयुक्त, मजबूत और स्टाइलिश भी हो सकता है, और अर्बन कलेक्शन सचमुच इसी सोच का प्रतीक है।

प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव को मिला प्रशस्ति पत्र

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)।17अगस्त जफराबाद क्षेत्र तिहरे हत्याकांड के सफल अनावरण में अहम भूमिका निभाने वाले खुटहन थाना के प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।ज्ञात हो कि विगत 25 मई को जफराबाद थाना क्षेत्र कचगांव नेवादा अंडरपास के पास इमलो क्षेत्र के महमदपुर गाँव निवासी एक ही परिवार के पिता और दो पुत्रों का सर कूचकर हत्या कर दी गई थी। घटना की जानकारी लगने पर अगले दिन सुबह घटनास्थल पर पहुंचे तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव सहित अन्य पुलिस टीम घटना के सफल अनावरण के लिए हर स्तर पर जांच कर रही थी और शाम होते होते एक अभियुक्त पलटू राम नागर को गिरफ्तार भी कर लिया गया था। जफराबाद थाना से हटने के बावजूद भी घटना के सफल अनावरण के लिए इंस्पेक्टर जयप्रकाश यादव लगे रहे। शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में राज्य मंत्री गिरीशचंद्र यादव , डी एम दिनेश चंद्र व पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ द्वारा संयुक्त रूप से उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पूछे जाने पर जयप्रकाश यादव ने बताया कि पुलिस की नौकरी में ट्रांसफर- पोस्टिंग लगी रहती है उन्होंने अपने आप को अपने कर्तव्यों से कभी भी दूर नहीं रखा।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन

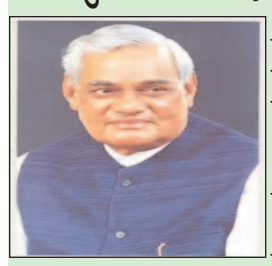

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी सदर विधानसभा द्वारा शकरमंडी स्थित एक मोटल में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन हुआ।मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव रहे। राज्यमंत्री ने कहा कि आज के ही दिन साल 2018 में अटल जी हम सब को छोड़ कर चले गए थे, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एक दिग्गज नेता होने के साथ-साथ एक प्रखर वक्ता और अपनी वाकपटुता के लिए जाने जाते थे, वाजपेयी जी से जुड़ी कई किस्से हैं, जिसको आज भी याद किया जाता है।आज यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी अटल के सपने को साकार कर रहे है। पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि अटल जी जैसा व्यक्तित्व वाला नेता मिलना संभव नहीं है, वे विपक्ष के बड़े लोकप्रिय थे। हरिश्चंद सिंह, श्याम मोहन अग्रवाल, डा० रामसूरत मौर्या, आशीष गुप्ता, विकास शर्मा, अमित श्रीवास्तव, धर्मेंद्र मिश्रा और सुरेंद्र जायसवाल ने भी अपने उद्बोधन में अटल जी व्यक्तिव्त और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

प्रेमिका के शव को अस्पताल में छोड़कर भागा प्रेमी, सामने आया चौंकाने वाला सच

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पिछले सप्ताह पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला अस्पताल की मॉच्यूर्री में हरदोई की सुमन देवी (30) का शव छोड़कर प्रेमी सोनू गुप्ता लापता हो गया था। कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि चौकी प्रभारी डीडीयू प्रभारी की जांच में सामने आया कि सुमन देवी और सोनू गुप्ता चार साल से लिव-इन रिलेशन में रह रहे थे। दोनों भिक्षाटन करते थे और नशे के आदी थे। हरदोई के शहर कोतवाली के हरिपुरवा निवासी सुमन देवी को नौ अगस्त को सोनू ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने सुमन को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंचने पर सोनू ने सुमन को अपनी पत्नी बताया था। शव ले जाने की बात कहकर वह लापता हो गया था। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। सोनू की तलाश की जा रही है।

श्रीराम जानकी सेवा संस्था ने मनाया कलम के सिपाही ओमप्रकाश द्विवेदी का जन्मदिन

पालघर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पत्रकारिता जगत के वरिष्ठ कलमकार ओमप्रकाश द्विवेदी का जन्मदिन श्रीराम जानकी सेवा संस्था बोईसर द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास और सामाजिक सौहार्द की भावना के साथ मनाया गया। 15 अगस्त को बोईसर शहर पश्चिम स्थित मे. चंद्रा इलेक्ट्रिकल में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने ओमप्रकाश द्विवेदी को अंगवस्त्रम् पुष्पगुच्छ,श्रीफल एवं मंगल आशीर्वचन अर्पित कर सम्मानित किया। संस्था के संस्थापक बृजेश चंद्र पाण्डेय,अध्यक्ष संजय ठाकुर, सचिव पंकज पाण्डेय, कोषाध्यक्ष सुरेश पाण्डेय, सदस्य अवध बिहारी पाण्डेय, भानुप्रताप सिंह, वेदप्रकाश तिवारी, बृजेश मिश्रा, ओमप्रकाश तिवारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ओमप्रकाश द्विवेदी पत्रकारिता जगत में एक निष्पक्ष और निष्ठावान कलम के सिपाही के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकारों को सदैव प्राथमिकता दी है और भविष्य में भी इसी तरह जनहित में कलम चलाते रहेंगे। कार्यक्रम का समापन स्नेहमयी अल्पाहार और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

श्रीकृष्णा भवन के लिए सिंगुलपुर में हुआ भूमिपूजन, शिक्षा और सेवा का केंद्र बनेगा श्रीकृष्णा भवन: कमलेश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। श्रीकृष्णा भवन का भूमि पूजन शनिवार को मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। अलीगंज नौपेड़ा लिंक रोड पर सिंगुलपुर गांव में अम्बेडकर चौक के पास हुए श्रीकृष्णा भवन के भूमि पूजन के दौरान कृष्ण जन्मोत्सव का भी भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी तादात में लोग शामिल हुए। श्रीकृष्णा ग्लोबल फाउंडेशन के अध्यक्ष कमलेश यादव ने बताया कि श्रीकृष्णा भवन में आर्थिक रूप से कमजोर तबके के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क आवास, डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन क्लास, काउंसलिंग सेंटर, मीटिंग हॉल, गेस्ट रूम और मेडिकल कैम्प जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि भवन का निर्माण शिक्षा और सामाजिक विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। श्रीकृष्णा भवन के भूमि पूजन डॉ. पारस नाथ यादव, पूर्व सीएमओ डॉ.हरिचरण सिंह, डॉ.हरिनाथ, अध्यक्ष कमलेश यादव, राजन यादव के द्वारा किया गया । अपने संबोधन में डॉ. पारस नाथ यादव ने कहा कि शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि हम अपने गरीब और मेधावी बच्चों को अवसर देंगे, तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। यह छात्रावास उनके सपनों को साकार करने की दिशा में हमारा एक प्रयास है। भूमि पूजन कार्यक्रम में राकेश यादव, चतुर्भुज यादव, संजय यादव, अखिलेंद्र यादव, ऊमाराज, रमेश यादव,धर्मेन्द्र यादव, अनिल दीप चौधरी, विशाल, सियाराम यादव,राजमणि यादव, कन्हैया, प्रेम प्रकाश, डॉ. विनोद समेत कार्यक्रम में जिले के प्रमुख गणमान्य नागरिक, शिक्षा जगत से जुड़े लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सैकड़ों ग्रामीणजन मौजूद रहे। कार्यक्रम में बिरहा गायन का विशेष आयोजन किया गया जिसमें जौनपुर के प्रसिद्ध बिरहा गायक कलाकार हीरालाल यादव और आजमगढ़ के शिंतल सरोज ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और महिमा का ऐसा भावपूर्ण चित्रण किया कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे। गायन के दौरान कई क्षण ऐसे आए जब कृष्ण के प्रेम और वियोग को स्वर देते हुए कलाकारों की आंखें नम हो गईं और पूरा पंडाल जय कन्हैयालाल के जयकारों से गूंज उठा। रात्रि 12 बजे तक चले इस उत्सव में चारों ओर भक्ति और उत्साह का माहौल रहा।

संजय उपाध्याय की दही हंडी में शामिल हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। बोरीवली के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय द्वारा आयोजित बोरीवली दही हंडी उत्सव के शानदार कार्यक्रम में महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उत्तर मुंबई के जनसेवक पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उपस्थिती दर्ज कराते हुए आयोजन को विशेष भव्यता प्रदान की। मोक्ष प्लाजा शॉपिंग मॉल के सामने, स्वामी विवेकानंद रोंड बोरीवली (पश्चिम) में हुए इस आयोजन में हजारों नागरिकों की भीड़ इस दहीकाला उत्सव की साक्षी बनी और विभिन्न गोविंदा टोलियों द्वारा मटकी फोड़ने के शानदार प्रयासों का सभी ने रोमांच और उत्सुकता से आंनद लिया। इस आयोजन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, जनसेवक गोपाल शेट्टी, विधायक संजय उपाध्याय और विधान परिषद के विधायक तथा गट नेता प्रवीण दरेकर सहित अनेक प्रतिष्ठित मान्यवर उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब का 17वां राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब का 17वां राष्ट्रीय अधिवेशन 3 दिवसीय कार्यशाला के साथ प्रयागराज जिले के मऊआइमा थानांतर्गत बहरिया ब्लॉक की सिसई सिपाह ग्राम पंचायत में धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जय गुरुदेव सेवा संस्थान के वरिष्ठ सेवक अशोक शर्मा ने की तथा संचालन मिथुन मिश्र द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में कृषि विभाग के पूर्व राजपत्रित अधिकारी त्रिभुवन सिंह, पूर्व जे.ई.एम.आई. उरुआ ब्लॉक प्रयागराज छुन्नू मिश्र उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में वरिष्ठ आध्यात्मिक मार्गदर्शक पं. अर्जुनधर द्विवेदी, केसीएन क्लब संरक्षक एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी, निर्झरिणी अध्यक्ष कुमार कलहंस, प्रदेश अध्यक्ष कवि शेखर तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। क्लब अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी, बसंत चौहान, वरुण मिश्र, अनिल कुमार त्रिपाठी, बालकृष्ण पांडेय, जितेंद्र राय समेत कई विशिष्ट लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अधिवेशन की शुरूआत भारत माता की पूजा, दीप प्रज्वलन, नारियल तोड़कर एवं तिरंगा यात्रा तथा पूर्व सैनिकों का सम्मान कर की गई। इसके बाद 11 व 12 अगस्त को क्लब की स्थापना स्थली पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 200 लोगों ने लाभ उठाया। इसी दौरान मीरा सृजन शिक्षण सेवा संस्थान के अंतर्गत जय योगेश्वर गुरुकुल विद्यापीठ की स्थापना को लेकर विचार-विमर्श हुआ और आगामी शैक्षणिक सत्र से गुरुकुल प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। अधिवेशन में पूर्व सैनिकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, पत्रकारों एवं समाजसेवियों का सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में संतोष कुमार, वकील अहमद, रामचंद्र यादव, अनुराग पाठक, वरुण मिश्र, अतुल यादव, मतेंद्र विश्वकर्मा, सतीश मौर्या, कौशिक भट्टाचार्य, पवन मिश्र, शुभाष गोस्वामी सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में केसीएन क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारी विनोद कुमार पांडेय ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए अधिवेशन के समापन की घोषणा की।

नदी में डूबने से हुई मृतक के परिजनों दी गयी आर्थिक सहायता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव के द्वारा विधानसभा क्षेत्र सदर जौनपुर नगर के मोहल्ला नखास निवासी जोहैब अहमद जिनकी विगत दिनों गोमती नदी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी के शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर संवेदनायें प्रकट की गई एवं परिजनों को राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत रु. 4,00,000 (चार लाख) की सहायता का स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया। ग्राम बहाउद्दीनपुर निवासी संतोष यादव की विगत दिनों दैवीय आपदा से मृत्यु हो गयी थी।शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर संवेदनायें प्रकट किया गया एवं परिजनों को राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत रु. 4,00,000 (चार लाख) की सहायता का स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया। नगर के मोहल्ला नखास निवासी जोहैब अहमद जिनकी विगत दिनों गोमती नदी में डूबने से मृत्यु हो गयी थी के शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर संवेदनायें प्रकट किया गया एवं परिजनों को राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत रु. 4,00,000 (चार लाख) की सहायता का स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह, अजय सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की पहली वर्षगांठ चेंबूर में मनाई गई

मुंबई। राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया पार्टी की पहली वर्षगांठ चेंबूर के अजीज बाग, गौड़ा भवन में पक्षाध्यक्ष नामदेव साबले की उपस्थिति में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर, छोटे बच्चों और स्कूली छात्रों को लॉन्ग बुक और टी-शर्ट बांटा गया। उन्हें बाबासाहेब के विचारों, संविधान और पार्टी संगठन के विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। इस हर्षोल्लासपूर्ण समारोह में महाराष्ट्र प्रदेश प्रवक्ता विजय क्षीरसागर, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कमल छाबड़िया, महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष मंजप्पा गौड़ा, नवी मुंबई प्रदेश अध्यक्ष विजय साल्वे, आरपीआई (ऐक्यवादी) के मुंबई प्रदेश अध्यक्ष मनोहर योगले, तालुका अध्यक्ष सागर ठाकुर, मुंबई प्रदेश महिला आघाड़ी अध्यक्ष ज्योति मेडम, मुंबई प्रदेश युवा रिपब्लिकन अध्यक्ष एडवोकेट कनिष्क साबले, वरिष्ठ पत्रकार दिगंबर वानखड़े, विद्रोही कवि अनंत धनसरे, वार्ड अध्यक्ष अक्षय तुपरे, वार्ड अध्यक्ष आनंद खंडागले, समर कनोजिया, कवि और गायक विनायक थोरात और बड़ी संख्या में महिलाएं और अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तर क्षेत्रीय संस्था द्वारा धूमधाम से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। उत्तर क्षेत्रीय संस्था (रजि.) द्वारा पालघर जिले के बोईसर शहर से सटे पास्थल ग्राम पंचायत अंतर्गत स्थित इंद्रप्रस्थ पेट्रोल पंप के प्रांगण में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि तारापुर पुलिस स्टेशन के प्रभारी सहायक पुलिस निरीक्षक निवास सदाशिव कणसे द्वारा ध्वजारोहण से हुआ। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यजनों ने तिरंगे को सलामी दी और राष्ट्रगान एवं देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु सम्मानित किया गया। जिसमें दिया धर्मेंद्र प्रताप सिंह (निवासी बोईसर प. सरावली) को मुंबई यूनिवर्सिटी में बीएससी (आईटी) टॉपर बनने पर सम्मानित किया गया। वहीं, जागृति सखाराम राठोड़ (कां. सखाराम राठोड़ की पुत्री) को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 97.80% अंक प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। दोनों छात्राओं को संस्था की ओर से मुख्य अतिथि कणसे के हाथों शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ व नगद पुरस्कार भेंट किए गए। इस सम्मान के दौरान उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियों से उनका हौसला बढ़ाया। इस समारोह में उत्तर क्षेत्रीय संस्था के अध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय, रणवीर शर्मा, एड. शोभनाथ त्रिपाठी, हनुमान सिंह, सज्जन (लाजाजी) गुप्ता, बृजेश चंद्र पांडेय, घनश्याम सिंह, प्रदीप सिंह, रामनरेश यादव, ओमप्रकाश दुबे, बी.एन. सिंह, दिनेश पाठक, पंकज पांडेय, भानुप्रताप सिंह तथा वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुंबई के विले पार्ले में दही हांडी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां पर विजयी बाल- गोपालकों को अरविंद त्रिपाठी (बिंदु भाई) के हाथों ट्राफी व नगदी देकर सम्मानित किया गया। श्री त्रिपाठी के साथ जयंत वसईकर मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन संजय गुरव द्वारा किया गया था। इस मौके पर आस-पास के बच्चे तथा सम्भ्रांत लोग मौजूद रहे। छाया: उत्तरशक्ति

कैरेन्स क्लैविस और कैरेन्स क्लैविस ईवी ने 21,000 बुकिंग्स का आंकड़ा पार किया

मुंबई। भारत की प्रमुख मास-प्रीमियम कार निमार्ता कंपनी, किआ इंडिया, ने आज अपनी हाल ही में लॉन्च की गई कैरेंस क्लैविस और कैरेंस क्लैविस ईवी मॉडलों की बुकिंग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। लॉन्च के चार महीनों में 21,000 से ज्यादा बुकिंग्स किआ की भारत में बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती हैं। यह परिवारों के लिए आईसीई और पर्यावरण के प्रति जागरूक ईवी खरीदारों, दोनों को आकर्षित करने वाले नए उत्पादों की इसकी क्षमता से प्रेरित है। जूनसु चो, चीफ सेल्स ऑफीसर, किआ इंडिया, ने कहा, हम अपनी कैरेंस क्लैविस और क्लैविस ईवी मॉडल्स के लिए मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से उत्साहित हैं। यह मजबूत मांग ग्राहकों के किआ पर भरोसे का प्रमाण है और हमारे वाहनों में नवाचार, सुरक्षा और आराम लाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। हमें गर्व है कि आईसीई और ईवी दोनों मॉडल भारतीय उपभोक्ताओं के साथ इतनी गहराई से जुड़ रहे हैं, जो इस सेगमेंट में किआ की नेतृत्वकारी स्थिति को मजबूत करते हैं। कैरेंस क्लैविस के लिए 20,000 से ज्यादा और कैरेंस क्लैविस ईवी के लिए 1,000 से ज्यादा बुकिंग्स इतने कम समय में हासिल करना किआ इंडिया की ग्राहक-केंद्रित और नवाचार से प्रेरित ब्रांड के रूप में स्थिति को मजबूत करता है। सेगमेंट में पहली बार मिलने वाला आराम, बेहतरीन सुरक्षा, प्रीमियम फीचर्स और आईसीई व ईवी पावरट्रेन के विकल्पों के साथ, कैरेंस क्लैविस लाइन-अप किआ को भारतीय मोबिलिटी ट्रेंड्स को नए सिरे से परिभाषित करने में मजबूत बढ़त देता है। कैरेंस क्लैविस को आधुनिक भारतीय परिवारों के लिए बनाया गया है, जो साहसिकता और जिम्मेदारी, स्टाइल और सुविधा, साथ ही उन्नत तकनीक और अच्छे मूल्य का संतुलन चाहते हैं।